" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

प्रेरणा भारती NEWS NETWORK

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 151 वर्ष -11 अधिक ज्येष्ठ कृ.अष्टमी 2082 सोमवार (8 जून 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन
HARIDARSHAN
हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें
मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

असम सरकार ने मंत्रियों को सौंपे 'गार्जियन डिस्ट्रिक्ट'

गुवाहाटी, ०७ जून (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य सरकार के मंत्रियों के बीच 'गार्जियन डिस्ट्रिक्ट' का आवंटन घोषित किया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य जिला प्रशासन और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को और अधिक गति देना है।मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा द्वारा साझा सोशल मीडिया संदेश में घोषित सूची के अनुसार रामेश्वर तेली को तिनसुकिया और जोरहाट, अतुल बोरा को कामरूप (मेट्रो) और धेमाजी तथा चरण बोरो को कोकराझाड, बाक्सा और चिरांग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अजंता नेओग को मोरीगांव और कामरूप, जबकि अश्विनी राय सरकार को बंगाईगांव और बरपेटा का गार्जियन मंत्री बनाया गया है। इसी तरह, अशोक सिंघल को दरंग और धुबडी, बिमल बोरा को शिवसागर और चराइदेव तथा बिस्वजीत दैमारी को नलबाडी और शोणितपुर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। जयंत मल्लबरुवा को तामुलपुर और ग्वालपाडा, जबकि कौशिक राय को श्रीभूमि और हैलाकांदी का दायित्व सौंपा गया है।वहीं, केशव महंत को दक्षिण सालमारा-मानकाचर और उत्तर लखीमपुर, कृष्णेंदु पॉल को डिमा हसाओ और कछार तथा निलीमा देवी को बजाली और उदालगुडी जिलों का प्रभार दिया गया है। पीयूष हजारिका को नगांव, होजाई, काबी आंगलोंग और पश्चिम काबी आंगलोंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं डॉ. रणोज पेगू को बिश्वनाथ और गोलाघाट तथा सुशांत बोरगोहाई को माजुली और डिब्रूगढ.जिलों का गार्जियन मंत्री बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी मंत्री जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करेंगे और राज्य में विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल असम को प्रगति और समृद्धि की दिशा में और तेज गति से आगे बढाने में सहायक सिद्ध होगी।

चाय जनगोष्ठी की शिक्षा और सामाजिक उन्नति का उत्सव

विधायक राजदीप ग्वाला का अभिनंदन, २८२ मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

चंद्रशेखर ग्वाला व यशवंत पांडेय शिलचर, ७ जून। बराक चाय श्रमिक यूनियन कार्यालय परिसर में रविवार को एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उधारबंद विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक तथा बराक चाय श्रमिक यूनियन के महासचिव राजदीप ग्वाला का अभिनंदन किया गया। इसके साथ ही बराक घाटी के चाय समुदाय के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बराक चाय श्रमिक यूनियन की कार्यकारिणी एवं जनरल काउंसिल सदस्यों की बैठक से हुई। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा उधारबंद विधानसभा क्षेत्र से राजदीप ग्वाला के

विधायक निर्वाचित होने पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के प्रति आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया।बैठक के उपरांत आयोजित सम्मान समारोह में यूनियन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विधायक राजदीप ग्वाला को स्मृति चिन्ह, मेमेंटो तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने उनकी राजनीतिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया। समारोह की अध्यक्षता बराक चाय श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष एवं श्रीभूमि जिले के सांसद कृपानाथ मलाह ने की। कार्यक्रम का संचालन यूनियन के महासचिव बाबुल नारायण कानू तथा बराक वैली टी यूथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष लालन प्रसाद ग्वाला ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरुचरण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निरंजन राय उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में कछार के जिला विद्यालय निरीक्षक मिथुन जौहरी, जगन्नाथ सिंह कॉलेज उधारबंद के प्राचार्य डॉ. एस. समरेन्द्र सिंह, नेहरूकॉलेज पैलापुल के प्राचार्य डॉ. शुभजीत चक्रवर्ती, भाजपा के रंगपुर-मालूग्राम मंडल अध्यक्ष पुलक देव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंच पर यूनियन के सलाहकार महाबल कोइरी, डॉ. संतोष रंजन चक्रवर्ती, जवाहरलाल राय, अवनीलाल कुर्मी, उपाध्यक्ष राधेश्याम कोइरी एवं शिवपूजन रविदास, सह महासचिव खीरोद कर्मकार, बिपुल कुर्मी, सुरेश बडाइक, दुर्गेश कर्मी तथा अन्य

➪ शेषांश पृष्ठ ३ पर

हर एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियों को हो रहा ७०० का घाटा, कीमतों में बढोतरी पर आया सरकार का बयान

नई दिल्ली. (एजें) ७ जून : अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतों में तेज बढोतरी के चलते १४.२ किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति लागत बढक़र १,६०० रुपये से अधिक हो गई है.. इसके बावजूद उपभोक्ताओं को कम कीमत पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे प्रति सिलेंडर लगभग ७०० रुपये की अंडर-रिकवरी (लागत और बिक्री मूल्य के बीच का अंतर) हो रही है.. इसका भार केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां वहन कर रही हैं..पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, फरवरी से सऊदी अरामको की एलपीजी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस में करीब ४६ प्रतिशत की वृद्धि हुई है.. इसका मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य

में आई बाधाएं और मिडिल ईस्ट गल्फ क्षेत्र से निर्यात पर बढी सख्ती है.. कीमतों में इस उछाल से आयातित एलपीजी की लैंडेड कॉस्ट बढ.गई और घरेलू सिलेंडर की आयात-आधारित आपूर्ति लागत १,६०० रुपये से अधिक हो गई..लागत बढ? के बावजूद भारत में घरेलू एलपीजी की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में काफी कम हैं.. दिल्ली में उपभोक्ता १४.२ किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर के लिए ९४२ रुपये चुकाते हैं, जो वास्तविक लागत से करीब ७०० रुपये कम है.. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को साल में पहली चार रिफिल पर ३०० रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी सीधे उनके खाते में दी जाती है.. इससे उन्हें प्रभावी रूप से केवल ६४२ रुपये का भुगतान करना पड़ता है.. मंत्रालय के अनुसार, यह कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य से लगभग ६० प्रतिशत कम है..रविवार से २९ रुपये महंगा हुआ सिलेंडर -वेस्ट एशिया में जारी तनाव और बढती लागत के कारण रविवार से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में २९ रुपये की वृद्धि की गई है.. मंत्रालय के मुताबिक, घरेलू एलपीजी पर कुल अंडर-रिकवरी वित्त वर्ष २०२५-२६ के अंत तक बढक़र ६०,००० करोड. रुपये तक पहुंच गई है, जबकि पिछले वर्ष यह ४१,३३८ करोड.रुपये थी.. इस बढते वित्तीय बोझ को देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को ३०,००० करोड. रुपये का मुआवजा देने की मंजूरी दी है.. वहीं, उज्ज्वला योजना के तहत दी जाने वाली ३०० रुपये प्रति सिलेंडर सब्सिडी इस अंडर-रिकवरी से अलग है और इसका लाभ १०.५८ करोड.से अधिक परिवारों को मिल रहा है. साथ ही, आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने के लिए अमेरिका, कनाडा और अल्जीरिया जैसे नए देशों से भी एलपीजी आयात शुरूकिया गया.. सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए ओटीपी आधारित डिलीवरी सत्यापन और डायवर्जन-रोधी उपायों का दायरा भी लगभग ९० प्रतिशत तक बढाया गया है..

सड़क़ दुर्घटना में घायल जितेंद्र दास की मौत, परिजनों ने पुलिस की निष्क्रियता पर उठाए सवाल; त्वरित न्याय की मांग

प्रे.सं. शिलचर, ७ जून। शिलचर के गोपाल अखाडा क्षेत्र में १५ अप्रैल को हुई एक सडक़ दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए जितेंद्र चंद्र दास का लंबी चिकित्सकीय जद्दोजहद के बाद ३१ मई को निधन हो गया। इस घटना को लेकर परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने पुलिस की कथित निष्क्रियता पर चिंता व्यक्त करते हुए दोषी के खिलाफ शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार, १५ अप्रैल को एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से जितेंद्र दास गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें पहले शिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए जीवन ज्योति अस्पताल ले जाया गया। वहां उनकी सर्जरी की गई। बाद में उन्नत चिकित्सा के लिए उन्हें शिलांग के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। लगभग डेढ. महीने तक उपचार चलने के बाद उन्हें घर लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में तबीयत बिगडने पर पुनः एसएमसीएच ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया।मृतक के परिवार का आरोप है कि दुर्घटना के समय मोटरसाइकिल चला रहा कछार निवासी नहीं, बल्कि श्रीभूमि जिले का निवासी केशव नाथ था, जो वर्तमान में शिलचर के पब्लिक स्कूल रोड क्षेत्र में रह रहा है। परिवार का कहना है कि सदर थाना में मामला दर्ज होने के बावजूद आरोपी के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।मृतक के पुत्र सुमित दास ने बताया कि आरोपी के बडे. भाई ने मामले को वापस लेने का अनुरोध किया था, लेकिन परिवार ने इसे अस्वीकार कर न्याय के लिए कानूनी लडाई जारी रखने का निर्णय लिया है।स्थानीय लोगों ने बताया कि जितेंद्र दास एक जाने-माने बैडमिंटन खिलाडी थे। परिवार की आजीविका का मुख्य आधार उनकी राशन दुकान थी। उनके निधन से परिवार गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहा है।रविवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दीप भट्टाचार्य, विशाल आचार्य, हीरक देवनाथ, प्रकाश पाल, किशोर पाल, रिपन पाल, जॉयश्री दास, ध्रुवज्योति दास सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश पाल ने भी मामले का त्वरित निपटारा कर पीडित परिवार को न्याय दिलाने की अपील की।

बजाली में साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस की बडी कार्रवाई, चार गिरफ्तार

बजाली (असम), ०७ जून (हि.स.)। बजाली जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत सरूपेटा पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि ये लोग विभिन्न राज्यों के लोगों से साइबर ठगी के जरिए जुटाई गई रकम को कस्टमर सर्विस प्वाइंट (सीएसपी) के माध्यम से निकालने के आरोप में शामिल थे।पुलिस जांच में सामने आया कि इन लेन-देन के कारण कई सीएसपी संचालकों के बैंक खाते बंद हो गए थे। इसके बाद प्रभावित सीएसपी संचालकों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके आधार पर जांच शुरूकी गई।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिहार के आदित्य तिवारी और राहुल कुमार के रूप में हुई है। वहीं, अन्य दो आरोपितों में हकारटोप गांव के जितुमणि राय और पुठीमारी गांव के रंजन दास शामिल हैं।पुलिस ने चारों आरोपितों के कब्जे से विभिन्न लोगों के बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज, एटीएम कार्ड तथा अन्य महत्वपूर्ण कागजात बरामद किए हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है और पुलिस साइबर ठगी के इस नेटवर्क से जुडे. अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

२८ जून को आयोजित होगी विशेष टेट परीक्षा

गुवाहाटी, ०७ जून, (हि.स.)। असम में २८ जून को विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा लोअर प्राइमरी (एलपी) और अपर प्राइमरी (यूपी) स्तर के लिए आयोजित होगी।विशेष टेट परीक्षा चार माध्यमों् बोडो, गारो, मणिपुरी और मराठी्के लिए आयोजित की जाएगी। इन माध्यमों के विद्यालयों में शिक्षक पदों पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों की पात्रता का आकलन किया जाएगा।सरकार का उद्देश्य इन भाषा माध्यमों के विद्यालयों में योग्य शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ.बनाना है।

प्रणव कान्ति दास की पुस्तक 'बराक पार का रोदन' के हिन्दी संस्करण का भव्य विमोचन

विशेष प्रतिनिधि शिलचर, ७ जून। सीतलांग प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रख्यात साहित्यकार, समाजसेवी एवं कवि प्रणव कान्ति दास की चर्चित बांग्ला कृति 'बराक पार का रोदन' के हिन्दी अनुवाद संस्करण का रविवार को शिलचर में गरिमामय वातावरण में विमोचन किया गया। पुस्तक का हिन्दी अनुवाद प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं शिक्षाविद अशोक वर्मा ने किया है।आयोजित समारोह में क्षेत्र के अनेक साहित्यकार, शिक्षाविद एवं बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती झूमर पांडेय, प्रेरणा भारती के मुख्य संपादक दिलीप कुमार, विमेंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुजीत तिवारी, श्रीमती बिंदु सिंह, राजू

वर्मा, उत्तम सरकार, चंदन शुक्लवैद, श्यामा प्रसाद कोइरी, चंदन कोइरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन सत्यजीत नाथ ने किया।इस अवसर पर वक्ताओं ने वर्तमान समय में प्रिंटेड साहित्य और पुस्तक संस्कृति के सामने उपस्थित चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में साहित्यिक पुस्तकों के प्रति पाठकों की रुचि बनाए रखना एक बडी चुनौती बन गई है। इसके बावजूद साहित्य सृजन, अनुवाद और प्रकाशन के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे रचनाकारों और प्रकाशकों का योगदान अत्यंत सराहनीय है। वक्ताओं ने विशेष रूप से लेखक प्रणव कान्ति दास, अनुवादक अशोक वर्मा तथा सीतलांग प्रकाशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्य को हिन्दी के माध्यम से व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाना साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इस अवसर पर अशोक वर्मा के साहित्यिक योगदान और उनकी रचनात्मक प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया गया।अपने संदेश में अशोक वर्मा ने कहा कि प्रणव कान्ति दास मूलतः एक संवेदनशील साहित्यकार, समाजसेवी तथा कवि हैं। उनकी

➪ शेषांश पृष्ठ ३ पर

फर्जी हिंदू पहचान बनाकर युवती को शादी का झांसा, आरोपित हशमत अली गिरफ्तार

लखीमपुर ०७ जून (हि.स.)। लखीमपुर पुलिस ने फजी हिंदू पहचान अपनाकर एक हिंदू युवती को शादी का झांसा देने के आरोप में हशमत अली को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि हशमत अली ने स्वयं को ङ्गसुमित कुमारङ्घ बताकर युवती से संबंध स्थापित किया था।पुलिस के अनुसार, आरोपित को एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत में रहते हुए हशमत अली ने कथित रूप से पुलिस वाहन से कूदकर भागने का प्रयास किया।भागने की कोशिश के दौरान उसके बाएं पैर में चोट लग गई। पुलिस ने तत्काल उसे दोबारा हिरासत में लेकर आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई।पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोप है कि हशमत अली ने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर युवती को विवाह का प्रलोभन दिया था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

अनियमित पेयजल आपूर्ति से दिलखुश चाय बागान के श्रमिकों में रोष

चंद्रशेखर ग्वाला लखीपुर, ७ जून: दिलखुश चाय बागान क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति परियोजना की कथित अनियमितताओं को लेकर श्रमिकों और स्थानीय उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि जलापूर्ति का कोई निश्चित समय नहीं है, जिससे अधिकांश श्रमिक पानी संग्रह नहीं कर पाते।उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि वर्षा ऋतु में जल शोधन के लिए आवश्यक रसायनों का समुचित उपयोग किए बिना ही पानी की आपूर्ति की जा रही है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ.रहे हैं।मामले को लेकर श्रमिकों और स्थानीय लोगों ने दिलखुश ग्राम पंचायत की सभानेत्री, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा लखीपुर उपमंडल प्रशासन को लिखित शिकायत सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में परियोजना प्रबंधन समिति पर पारदर्शिता की कमी तथा वर्षों से एक ही व्यक्ति के नियंत्रण में रहने का आरोप भी लगाया गया है।सूत्रों के अनुसार, संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

नवनिर्मित घर की पूरी बिजली वायरिंग काट ले गए चोर, सिलचर में चोरी की अनोखी वारदात से सनसनी

राजू दे, शिलचर ७ जून : शिलचर शहर में चोरी की एक अनोखी घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है। चोरों के एक गिरोह ने एक नवनिर्मित मकान में घुसकर उसकी लगभग पूरी विद्युत वायरिंग काटकर चोरी करने का प्रयास किया। इस घटना को शहर में अपनी तरह की पहली वारदात माना जा रहा है। शनिवार देर रात सोनाई रोड स्थित फैक्ट्री लेन क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष और चिंता व्याप्त है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री लेन निवासी अमित बनिक के नए मकान में हाल ही में विद्युत वायरिंग का कार्य पूरा हुआ था। शनिवार रात चोरों ने सुनसान का लाभ उठाकर घर में प्रवेश किया और विभिन्न कमरों में लगी बिजली की तारों को काटकर बोरियों में भर लिया। हालांकि, पडोसियों की सतर्कता और शोर-गुल के कारण चोर सभी तार लेकर

भागने में सफल नहीं हो सके। कुछ तार बोरियों में भरे हुए ही घटनास्थल पर छोडक़र वे मौके से फरार हो गए। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उक्त मकान को पहले भी दो बार चोरों ने निशाना बनाने की कोशिश की थी। लोगों का कहना है कि गली के मुहाने पर स्थित शराब की दुकान और बार के कारण क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ.गई है। रात के समय संदिग्ध व्यक्तियों का जमावडा आम बात हो गई है, जिससे इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खडे.हो रहे हैं।स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि घटनास्थल से

➪ शेषांश पृष्ठ ३ पर

सुबनसिरी में पानी छोडे.जाने से नावें फंस गई, असम के लखीमपुर में दहशत फैल गई

लखीमपुर:(एजें) ७ जून : असम के लखीमपुर जलिे के कई नदी वाले इलाकों में दहशत फैल गई, जब सुबनसिरी नदी से अचानक पानी छोडे.जाने से पानी का लेवल तेजी से बढ.गया, जिससे कई देसी नावें फंस गई और नदी के किनारे आम काम-काज में रुकावट आई।रिपोट्र्स के मुताबिक, नदी का बहाव अचानक बढने़ से लोकल नाव चलाने वाले, मछुआरे और लोग हैरान रह गए। किनारे पर लगी कई नावें या तो फंस गई या तेज.बहाव में बह

➪ शेषांश पृष्ठ ३ पर

गलतियों से भी बड़ा खतरा अर्धसत्य का प्रकाशन है : प्रखर श्रीवास्तव

गुवाहाटी, ०७ जून, (हि.स.)। पत्रकारिता में गलतियों से भी बडा खतरा अर्धसत्य के प्रकाशन और उसकी व्याख्या में निहित है। यह महत्वपूर्ण टिप्पणी दिल्ली दूरदर्शन केंद्र के वरिष्ठ सलाहकार एवं पत्रकार प्रखर श्रीवास्तव ने रविवार को विश्व संवाद केंद्र असम द्वारा आयोजित देवर्षि नारद जयंती समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में वक्तव्य देते हुए की।गुवाहाटी के बरबारी स्थित सुदर्शनालय में आयोजित समारोह में वरिष्ठ पत्रकार एवं ईशान दर्पण के संपादक नव ठाकुरिया को इस वर्ष का प्रतिष्ठित देवर्षि नारद पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्यज्योति गोहाई, चीफ रिपोर्टर रंजिता राभा तथा एक अखबार के उप संपादक मृदुल हालोई को विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।अपने संबोधन में प्रखर श्रीवास्तव ने समकालीन सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों तथा इतिहास से जुडे.विभिन्न प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में तथ्यों की शुद्धता और संदर्भ की समझ अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने विभाजन काल में संघ की भूमिका तथा उस समय मीडिया की दृष्टि पर अपने विचार व्यक्त किए।उन्होंने स्वतंत्रता और विभाजन के दौर से जुडे. कुछ ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इतिहास को समग्रता में देखने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी की हत्या के बाद की परिस्थितियों और सावरकर परिवार के साथ हुए व्यवहार का भी उन्होंने संदर्भ दिया।असम में प्रव्रजन, जनसांख्यिकीय परिवर्तन तथा राज्य के राजनीतिक इतिहास से जुडे. विभिन्न विषयों पर भी श्रीवास्तव ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि इतिहास और वर्तमान को समझने के लिए तथ्यों का निष्पक्ष अध्ययन आवश्यक है।समारोह में नव ठाकुरिया को ५० हजार की नगद राशि, चेलेंग, मानपत्र, भारत माता का चित्र तथा पुस्तकों का संकलन प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान ग्रहण करते हुए ठाकुरिया ने कहा कि देवर्षि नारद की प्रश्न पूछने और मार्गदर्शन देने की परंपरा आज भी पत्रकारिता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक दृष्टिकोण आधारित पत्रकारिता की आवश्यकता पर भी बल दिया।कार्यक्रम की शुरुआत विश्व संवाद केंद्र असम के संपादक किशोर शिवम के स्वागत वक्तव्य से हुई। उन्होंने देवर्षि नारद के जीवन और उनके विचारों पर प्रकाश डाला। संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौरांग शर्मा ने भी समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर एक स्मारिका का लोकार्पण किया गया तथा त्रिवेणी बुजरबरुवा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।नव बुजरबरुवा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम का समापन गुरु प्रसाद मेधी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए ३०० से अधिक लोगों ने भाग लिया।

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

आईएनडीआईए गठबंधन: एकजुटता की चुनौती और दिशा का अभाव

विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए की प्रस्तावित बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब उसके प्रमुख घटकों के बीच बढती असहमति और आपसी अविश्वास खुलकर सामने आने लगा है। यह बैठक गठबंधन की एकता और भविष्य की दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, किंतु मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यह कहना कठिन है कि इससे उसके अंतर्विरोध दूर हो पाएंगे। इतना अवश्य स्पष्ट है कि आईएनडीआईए आज उस मजबूती और एकजुटता के साथ खडा दिखाई नहीं देता, जिसकी अपेक्षा उसके गठन के समय की गई थी।

गठबंधन के भीतर दरारों के संकेत लगातार मिल रहे हैं। कुछ सहयोगी दल कांग्रेस की कार्यशैली और राजनीतिक रवैये से असंतुष्ट हैं। केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और वामपंथी दलों के बीच तीखा टकराव देखने को मिला, जिसके बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पाटी ने सार्वजनिक रूप से कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाए। उसका मानना है कि कांग्रेस का व्यवहार विपक्षी एकता को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने वाला रहा है।

इसी प्रकार झारखंड मुक्ति मोर्चा सहित कई क्षेत्रीय दल भी समय-समय पर कांग्रेस के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते रहे हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच मतभेदों की खबरें लगातार आती रही हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस की स्थिति भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं कही जा सकती। ममता बनजी पहले इस गठबंधन के प्रति उत्साह नहीं दिखाती थीं, हालांकि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में उनका रुख अपेक्षाकृत सकारात्मक नजर आ रहा है। इन परिस्थितियों से यह स्पष्ट होता है कि गठबंधन के भीतर विश्वास और समन्वय का संकट अभी भी बना हुआ है। सबसे बडा प्रश्न यह है कि आईएनडीआईए आखिर किस वैचारिक आधार पर आगे बढना चाहता है। अब तक उसके एजेंडे का केंद्र भारतीय जनता पाटी और प्रधानमंत्री सरकार का विरोध रहा है। लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना उसका अधिकार भी है और दायित्व भी। किंतु केवल विरोध को ही राजनीति का आधार बना लेना किसी भी गठबंधन को दीर्घकालिक राजनीतिक विश्वसनीयता प्रदान नहीं कर सकता।

देश आज महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षेत्रीय असमानताओं जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। विपक्ष यदि इन मुद्दों को उठाता है तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सकारात्मक है, लेकिन जनता केवल समस्याओं की सूची नहीं, बल्कि उनके समाधान की स्पष्ट रूपरेखा भी देखना चाहती है। यही वह क्षेत्र है जहां आईएनडीआईए अब तक कमजोर दिखाई देता है। गठबंधन के पास न तो कोई स्पष्ट न्यूनतम साझा कार्यक्रम है और न ही देश के भविष्य के लिए कोई समग्र वैकल्पिक दृष्टि।

इसके अतिरिक्त, राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्षी दलों के बीच होने वाली सीधी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी गठबंधन की कमजोरी को उजागर करती है। राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता की बात करने वाले दल अनेक राज्यों में एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लडते हैं, जिससे मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है। यह विरोधाभास गठबंधन की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है और उसके राजनीतिक संदेश को कमजोर बनाता है।

आईएनडीआईए के सामने आज सबसे बडी चुनौती भाजपा का मुकाबला भर नहीं, बल्कि स्वयं को एक विश्वसनीय, संगठित और सकारात्मक विकल्प के रूप में स्थापित करना है। यदि वह केवल सरकार विरोधी नारों और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तक सीमित रहता है, तो उसकी स्वीकार्यता सीमित रहेगी। जनता उन राजनीतिक दलों और गठबंधनों पर भरोसा करती है जो समस्याओं की पहचान के साथ-साथ समाधान का स्पष्ट मार्ग भी प्रस्तुत करते हैं।

आगामी बैठक आईएनडीआईए के लिए आत्ममंथन का अवसर है। यदि यह गठबंधन वास्तव में राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावी भूमिका निभाना चाहता है, तो उसे आपसी मतभेदों को दूर कर साझा कार्यक्रम, स्पष्ट नीति और ठोस रणनीति के साथ आगे बढना होगा। अन्यथा उसकी राजनीति केवल विरोध तक सिमटकर रह जाएगी और वह जनता के सामने एक मजबूत वैकल्पिक शक्ति के रूप में उभरने में सफल नहीं हो सकेगा।

तेजी से बदल रहा है बंगाल

• अवधेश कुमार

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी सरकार द्वारा सत्ता संभालने के अल्पकाल में ही स्पष्ट बदलाव दिख रहा है। ऐसा लगता है कि केवल ममता सरकार की विचारधारा और दिशा के बिल्कुल उलट शुभेंदु सरकार ने यू टर्न ही नहीं किया बल्कि सारे कील कांटों को उखाडते, ध्वस्त करते तीव्र गति से शासन की गाडी वहां पहुंच रही है जहां से बंगाल शांत और स्थिर हो सामान्य राज्य के रूप में गतिविधियों का निर्धारण करे। शुभेंदु सरकार ने कुछ फैसले किए तथा कुछ प्रभाव में ही परिवर्तन आ गया। इनमें केवल केंद्रीय योजनाओं को लागू करना ही नहीं है। आप चाहे भाजपा के जितने आलोचक हों क्या किसी ने कल्पना की थी कि सरकार आने के हफ्ते भर के अंदर ही राज्य से टीएमसी द्वारा लगाए अवैध टोल बूथ हट जाएंगे ,बैरिकेड समाप्त हो जाएंगे, हफ्ते वसूली का धंधा खत्म हो जाएगा:? यह हो गया। ममता ने स्वयं महिलाओं की सुरक्षा के प्रति चिंता प्रकट करते हुए रात में न निकलने का आग्रह किया था। सरकार बदलते ही बंगाल अपने स्वभाव,संस्कृति और चहल-पहल में वापस दिख रहा है। महिलाएं देर रात आती- जाती दिखाई दे सकती है। सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कोलकाता समेत कई जिलों में रात की पुलिस पेट्रोलिंग काफी बढा दी गई है। आम प्रतिक्रिया देख लीजिए सोशल मीडिया से लेकर मुख्य मीडिया में लोग लिख रहे हैं कि अब सरकार बदली है ऐसा महसूस हो रहा है। बकरीद के दिन वर्षों बाद सडकों की बजाय मैदानों और मस्जिदों में नमाज पढे गये।

किसी सरकार की दिशा का संकेत होता है और अगर वैचारिक और प्रशासनिक दिशा स्पष्ट हो, उनके प्रति प्रतिबद्धता और व्यवहार में प्रखरता हो तो उसका इकबाल कायम होता है। चुनाव परिणाम के तुरंत बाद ऐसा लग रहा था मानो बंगाल को संभालना कठिन होगा। कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा मानो यह वो बंगाल है ही नहीं जिसे हम ४ मई के चुनाव परिणाम के पूर्व या उसके दो चार दिनों बाद तक देख रहे थे। कोलकाता से आसनसोल तक अवैध निर्माण के विरुद्ध बुलडोजर करवाई का आक्रामक हिंसक विरोध पूर्व सरकार की तस्वीर पेश कर रहा था। पत्थरबाजी भी हुई। उसके बाद क्या हुआ यह महत्वपूर्ण है। फुटेज से पत्थरबाजों और दंगाइयों के चेहरे पहचान कर कार्रवाई हो रही है तथा पुलिस ने लाउडस्पीकर में ऐलान कर दिया कि जिन लोगों ने हिंसा और तोडफ़ोड.की है उनकी संपत्ति से इसकी वसूली की जाएगी। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने हिंसक प्रदर्शनकारियों और दंगाइयों के विरुद्ध यही नियम अपनाया और उसके परिणाम काफी हद तक आए। बंगाल में इसकी कल्पना ही नहीं थी जो सामने है।

भाजपा ने चुनाव अभियान में कानून और व्यवस्था कायम करने, महिला सुरक्षा, अवैध घुसपैठ रोकने, घुसपैठियों को बाहर निकालने, सीमा सुरक्षा एवं अंतरिक्ष सुरक्षा दोनों सुनिश्चित करने, तुष्टिकरण की समाप्ति एवं हिंदुओं के साथ हुए अन्याय का परिमार्जन, भ्रष्टाचार का अंत ,प्रदेश को विकास एवं सांस्कृतिक गरिमा की पटरी पर वापस लाने आदि वायदे किए थे। मुख्यमंत्री का पदभार संभालते ही शुभेन्दु ने बांग्लादेश की सीमा पर घेराबंदी के लिए सीमा सुरक्षा बल को भूमि सौंपने का आदेश दिया जिसे ४५ दिनों में पूरा हो जाना है। ४५० किलोमीटर ऐसे क्षेत्र हैं जहां घेरा लगाना बाकी है उसकी जमीन मिली नहीं। मिनट में यह काम हो गया। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण और बडा फैसला नेशनल हाईवे १० और नेशनल हाईवे ११० के सात हिस्से केंद्र सरकार को सौंपना है। इनमें से पांच चिकन नेक या सिलीगुडी गलियारा से गुजरते हैं। चिकन नेक का १२० किलोमीटर इलाका पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को भारत के साथ जमीन से जोडता है। यह बांग्लादेश, नेपाल , भूटान तीन देशों से लगता है और चीन भी यहां से निकट है। चिकन नेक कट जाए तो पूर्वोत्तर से भारत का सीधा जमीनी संपर्क खत्म हो जाएगा। दिल्ली दंगों के आरोपी सरजिल इमाम को उच्चतम न्यायालय ने आज तक जमानत इसीलिए नहीं दी कि उसने मुसलमानों के द्वारा चिकन नेट काट कर भारत को खंडित करने की बात की थी। संयोग से उस पूरे क्षेत्र में भारत के अंदर बंगाल और बिहार दोनों और मुसलमानों की आबादी राष्ट्रीय औसत से अधिक है तथा दूसरी और बांग्लादेश है। मुस्लिम आबादी को भडका कर चिकन नेक काट कर शेष पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने का विचार बांग्लादेश के पूर्व शासक मोहम्मद यूनुस से लेकर वहां जेन जी आंदोलन तथा जमात ए इस्लामी के नेताओं के सामने आए । ममता सरकार ने केंद्र के आग्रह को स्वीकार नहीं किया और इस कारण वहां रक्षा और नागरिक दोनों प्रकार के आधारभूत संरचनाओं की कमी रही। अवैध घुसपैठ के साथ अनेक भारत विरोधी गतिविधियां ,अवैध पशुओं एवं सामग्रियों की तस्करी आदि को पूरी तरह रोक पाना कठिन था। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा नेशनल हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड मिलकर इसका विकास करेगा। यानी आंतरिक और सीमा सुरक्षा और दूसरे रूप में कहें तो घुसपैठियों को रोकने के लिए सरकार ने पूर्ण प्रतिबद्धता दिखाई है।

कट मनी और भ्रष्टाचार तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराध की व्यापक छानबीन और कार्रवाई के लिए दो उच्च स्तरीय अधिकार प्राप्त आयोगों का गठन किया जा चुका है। सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व सुपरिंटेंडेंट संदीप घोष के खिलाफ वित्तीय धोखाधडी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में ईडी को मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। ऐसे ही आदेश अन्य मामलों में दिए जा रहे हैं जिन्हें पूर्व सरकार ने रोक कर रखा था। आप जानते हैं कि संदेशखाली से लेकर आईजी कर और यहां तक कि मुर्शिदाबाद के दंगों में महिलाओं के साथ व्यवहार बंगाल में प्रमुख मुद्दा रहा है। कट मानी और भ्रष्टाचार का अनुभव ऐसा था मानो यह सरकारी प्रक्रिया का ही अंग हो। आप देख लीजिए वही पुलिस प्रशासन और माहौल कितना बदला है।अवैध कब्जों से मुक्ति बंगाल की ऐसी चुनौती है जिससे निपटना यानी इतिहास की धारा बदल देना होगा। एक पाटी के लोगों का ही पूरे प्रदेश में कब्जा है। तृणमूल ने सत्ता में आते ही कांग्रेस और दूसरी पार्टियों के दफ्तरों व अन्य स्थान कब्जाये, इसके साथ नेताओं ने प्रशासन की मिली भगत से सरकारी व निजी जमीन, मकान सब पर भयानक रूप से कब्जे किए। माफिया तंत्र भूमि का उत्पन्न हुआ जिसने न जाने कितने लोगों को स्थान छोडने को विवश कर दिया। इसी तरह धर्म स्थलों पर कब्जे हुए या उन्हें जबरन बंद रखने को भी विवश किया गया। लगातार उन अवैध कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई हो रही है। कांग्रेस और वामपंथी दलों तक के दफ्तर मुक्त कर भाजपा के लोगों ने कई जगह सौंप दिया। कुछ डर से ही छोड.कर भाग गए। कई धर्मस्थल तो जनता ने हीं मुक्त करा लिए।

सडक़ों पर नमाज पढने का अंत करने के लिए लगातार कार्रवाई हो रही है। वंदे मातरम गायन अनिवार्य कर दिया गया। राज्य के इमामों, मुअज्जिनों और पुजारियों को दिया जाने वाला सरकारी भत्ता (मानदेय) १ जून से समाप्त करने का आदेश जारी किया गया है। सरकार का एक बडा? फैसला अन्य पिछडा वर्ग आरक्षण को १७% से घटाकर ७% करना तथा इसे केवल ६६ हिंदू जातियों तक ही सीमित रखना है । पिछडी जाति की सूची में से मुसलमान की जातियों को पूरी तरह हटा दिया।

वास्तव में शुभेंदु सरकार ने भाजपा की विचारधारा को सत्ता नीति में अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया है। सडक़ों पर नमाज पढने का अंत करने के लिए लगातार कार्रवाई हो रही है। वंदे मातरम गायन अनिवार्य कर दिया गया। राज्य के इमामों, मुअज्जिनों और पुजारियों को दिया जाने वाला सरकारी भत्ता (मानदेय) १ जून से समाप्त करने का आदेश जारी किया गया है। सरकार का एक बडा? फैसला अन्य पिछडा वर्ग आरक्षण को १७% से घटाकर ७% करना तथा इसे केवल ६६ हिंदू जातियों तक ही सीमित रखना है । पिछडी जाति की सूची में से मुसलमान की जातियों को पूरी तरह हटा दिया। ममता बनर्जी ने २०२४ में ७१ जातियों को पिछडी जाति में शामिल किया था जिनमें ६५ मुस्लिम समुदाय के थे। ममता बनजी ने मुसलमानों को ज्यादा से ज्यादा पिछडी जाति का आरक्षण देने के लिए ही श्रेणी ए बनाकर १०% आरक्षण घोषित किया था। इसके पहले पिछडे.वर्ग के लिए ७% आरक्षण था। साफ था कि केवल वोट बैंक की दृष्टि से मुसलमानों को पिछडी जाति में शामिल कर अतिरिक्त आरक्षण का अनुपात लाया गया। इस तरह शुभेंदु सरकार ने कम समय में ही त्वरित गति से अपने कदमों द्वारा यह स्थापित कर दिया कि राज्य किसी मजहब या पंथ विशेष या पाटी नेताओं या समर्थकों लिए नहीं बल्कि सबके हित में काम करेगा, खजाने का धन किसी पंथ के तुष्टिकरण के लिए नहीं बल्कि उपयुक्त पात्रों के कल्याण पर खर्च होगा, शासन कानून और विधान के अनुसार चलेगा, प्राथमिकता आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा तथा विकास होगा एवं पहले जो निहित स्वार्थी तत्व इसके रास्ते में आए, सत्ता का दुरुपयोग किया उन सबके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होगी।

पता-अवधेश कुमार, ई-३०, गणेश नगर, पांडव नगर कंपलेक्स, दिल्ली-११००९२, मोबाइल - ९८११०२७२०८

कमजोर मानसून से लगेगा महंगाई का झटका, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मौसम विभाग द्वारा २९ मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान १० प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में ८ प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी ओर अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण १० प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख १६६ जलाशयों में कुल भराव क्षमता का २४ प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग १७ प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में २६ तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में २८ प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में ८७ सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो २०१८ में ९१ प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो २०२३ में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा १०० प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल, देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की सालभर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। शौचालय और कूलरों में पानी की खपत बहुत बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं है क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी-नाले तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।यह सोचना कि मानसून हमेशा सामान्य बना रहेगा, यह सोचना गलत होगा। जिस तरह वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़-पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा करते रह गए। जनवरी-फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च-अप्रैल में गर्मी का असर देखा गया। बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेशियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समय पर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी-ओलावृष्टि आम होती जा रही है। लिहाजा, मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। **(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

आगामी दिनों में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक के मायने

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय राजनीति में विपक्षी दलों के मंच के रूप में उभरे इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक पर देश की राजनीतिक निगाहें टिकी हुई हैं। यह बैठक केवल विभिन्न दलों के नेताओं का एक औपचारिक जमावडा नहीं है, बल्कि विपक्ष की एकता, उसकी रणनीति और भविष्य की राजनीतिक दिशा का महत्वपूर्ण संकेतक भी मानी जा रही है। ऐसे समय में जब देश की राजनीति लगातार नए समीकरणों और चुनौतियों से गुजर रही है, यह बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण हो जाती है।

लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया कि विपक्ष यदि एकजुट होकर रणनीति बनाए तो वह सत्तापक्ष को कडी चुनौती दे सकता है। हालांकि चुनाव के बाद गठबंधन के भीतर कई मुद्दों पर मतभेदों की चर्चाएं भी सामने आईं। ऐसे में यह बैठक गठबंधन के भीतर विश्वास और समन्वय को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

बैठक का एक प्रमुख एजेंडा संसद के आगामी सत्रों में विपक्ष की संयुक्त रणनीति तय करना हो सकता है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, सामाजिक न्याय, संघीय ढांचे तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका जैसे मुद्दों पर विपक्ष किस प्रकार सरकार को घेरने की कोशिश करेगा, इस पर चर्चा होने की संभावना है। यदि गठबंधन इन मुद्दों पर एक स्वर में बोलने में सफल रहता है तो उसकी राजनीतिक प्रभावशीलता बढ.सकती है।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव भी बैठक के केंद्र में रह सकते हैं। सीटों के तालमेल, चुनावी रणनीति और साझा प्रचार अभियान जैसे विषयों पर सहमति बनाना गठबंधन के लिए आसान नहीं होगा। कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी रहे हैं। इसलिए यह बैठक इस बात की भी परीक्षा होगी कि गठबंधन अपने आंतरिक मतभेदों को कितनी कुशलता से संभाल पाता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह बैठक विपक्षी नेतृत्व के प्रश्न पर भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। गठबंधन के सामने सबसे बडी चुनौती केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि देश के सामने एक वैकल्पिक दृष्टि और भरोसेमंद नेतृत्व प्रस्तुत करना भी है। जनता केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि समाधान और सकारात्मक एजेंडा भी देखना चाहती है।

सत्तापक्ष के लिए भी इस बैठक के निहितार्थ कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। एक मजबूत और संगठित विपक्ष लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाता है। विपक्ष की सक्रियता सरकार को अपनी नीतियों और निर्णयों पर अधिक स्पष्टता तथा जवाबदेही के लिए प्रेरित करती है। इसलिए विपक्षी एकता का प्रश्न केवल राजनीतिक दलों का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का भी विषय है। इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक का महत्व उसके द्वारा पारित प्रस्तावों से कहीं अधिक इस बात में निहित होगा कि वह जनता के बीच कितना विश्वास पैदा कर पाती है। यदि बैठक से स्पष्ट रणनीति, मजबूत समन्वय और जनहित के मुद्दों पर ठोस दृष्टिकोण सामने आता है, तो यह विपक्ष के लिए नई ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। लेकिन यदि मतभेद और अस्पष्टता हावी रहती है, तो गठबंधन के सामने अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की चुनौती और बढ.जाएगी। लोकतंत्र में सशक्त सरकार जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक एक सशक्त और जिम्मेदार विपक्ष भी है। इंडिया गठबंधन की यह बैठक इसी कसौटी पर परखी जाएगी।

बैठक में टीएमसी का मुद्दा उठेगा?

इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक केवल सीटों के बंटवारे, चुनावी रणनीति या सरकार के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहने वाली है। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ.(टीएमसी) से जुडे.नेताओं पर हुए हमलों, पाटी और सहयोगी दलों के बीच बढती राजनीतिक दूरी तथा विपक्षी एकजुटता को लेकर उठ रहे सवालों के कारण टीएमसी का मुद्दा बैठक में प्रमुखता से उठ सकता है।

टीएमसी इंडिया गठबंधन की सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय पार्टियों में से एक है। पश्चिम बंगाल में उसका मजबूत जनाधार है और राष्ट्रीय राजनीति में भी उसकी भूमिका लगातार बढी है। लेकिन कई अवसरों पर टीएमसी और गठबंधन के अन्य दलों, के बीच मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यदि विपक्षी एकता को मजबूत करना है तो इन अंतर्विरोधों पर खुलकर चर्चा आवश्यक होगी।

हाल ही में टीएमसी नेताओं पर हुए हमलों और राजनीतिक हिंसा की घटनाओं ने भी चिंता बढाई है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, लेकिन हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। यदि किसी दल के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगता है, तो यह केवल उस दल का नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे का विषय बन जाता है। इसलिए संभावना है कि इंडिया गठबंधन की बैठक में राजनीतिक हिंसा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का मुद्दा भी उठे।

दूसरी ओर, गठबंधन के सामने सबसे बडी चुनौती भाजपा के मुकाबले एक साझा राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत करने की है। यदि सहयोगी दल आपसी मतभेदों को सार्वजनिक रूप से बढाते हैं, तो इसका सीधा लाभ सत्तापक्ष को मिल सकता है। इसलिए बैठक में टीएमसी से जुडे.विवादों पर चर्चा होने के साथ-साथ संवाद और समन्वय बढाने पर भी जोर दिया जा सकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि विपक्षी गठबंधन केवल चुनावी गणित का नाम नहीं है। उसकी सफलता आपसी विश्वास, साझा कार्यक्रम और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। टीएमसी का मुद्दा यदि बैठक में उठता है तो उसका उद्देश्य किसी दल को कटघरे में खडा करना नहीं, बल्कि गठबंधन की एकजुटता और विश्वसनीयता को मजबूत करना होना चाहिए।

इंडिया गठबंधन की बैठक इस बात की परीक्षा होगी कि क्या विपक्ष अपने आंतरिक मतभेदों को पीछे छोडक़र राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी और संगठित राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। टीएमसी से जुडे.मुद्दों पर होने वाली चर्चा इसी व्यापक लक्ष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष उतना ही आवश्यक है जितनी मजबूत सरकार, और यह बैठक उसी संतुलन को स्थापित करने की एक महत्वपूर्ण कडी साबित हो सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

चाय जनगोष्ठी की शिक्षा और सामाजिक उन्नति ....

पदाधिकारी भी मौजूद थे।समारोह का मुख्य आकर्षण बराक घाटी के चाय समुदाय के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान था। बराक चाय श्रमिक यूनियन एवं बराक वैली टी यूथ वेलफेयर सोसाइटी की संयुक्त पहल के तहत माध्यमिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण १८६ तथा उच्च माध्यमिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण ९६ विद्यार्थियों सहित कुल २८२ मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह, फाइल कवर एवं नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।अपने संबोधन में विधायक राजदीप ग्वाला ने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन और विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि चाय समुदाय के विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज, राज्य और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।सांसद कृपानाथ मलाह ने सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लगन, मेहनत और समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य अतिथि डॉ. निरंजन राय ने कहा कि आज सम्मानित किए जा रहे विद्यार्थी विकसित भारत के वास्तविक नायक हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है और विद्यार्थियों को केवल औपचारिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि कौशल एवं ज्ञान आधारित शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने असम सरकार की 'निजुत मोइना' और 'निजुत बाबु' जैसी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि ये योजनाएं शिक्षा को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। साथ ही चाय बागान क्षेत्रों में स्थापित आदर्श विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा कर रहे हैं।इस अवसर पर आदिवासी चाय जनगोष्ठी उन्नयन समिति, बराक आदिवासी करम पूजा समिति, बराक चाय श्रमिक यूनियन कॉम्प्लेक्स व्यवसायी समिति, बराक चाय युवा कल्याण समिति, मारवाडी युवा मंच शिलचर, नुनिया समाज, सोनार समाज, ओबीसी संगठन कछार, बराक हिंदी साहित्य समिति सहित विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक संगठनों ने विधायक राजदीप ग्वाला का अभिनंदन किया।
अतिथियों का स्वागत चाय युवा कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं विश्वजीत कोइरी, सचिन साहू, बीजू कर्मकार, अनूप वर्मा, देवाशीष कानु आदि ने किया।उत्सवपूर्ण वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में बडी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, चाय बागान क्षेत्रों के प्रतिनिधि तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, समाज में शिक्षा के प्रसार तथा चाय समुदाय के समग्र विकास के संकल्प के साथ हुआ।

प्रणव कान्ति दास की पुस्तक 'बराक पार का....

कविताएं उनके चिंतन, मनन और भाव-जगत की गहराइयों से परिचित कराती हैं। उनकी रचनाओं में मानवीय संवेदनाएं, करुणा, प्रेम, स्नेह और मानवता के प्रति गहरा लगाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।
उन्होंने कहा कि इस संकलन में प्रणव कान्ति दास की चयनित कविताओं के हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत किए गए हैं और उन्हें विश्वास है कि हिन्दी पाठक इन कविताओं के भाव-संसार से आत्मीय रूप से जुड.सकेंगे। पुस्तक के माध्यम से बराक घाटी की संवेदनाओं, संघर्षों और मानवीय अनुभवों को हिन्दी जगत तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया गया है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित साहित्यप्रेमियों ने पुस्तक की सफलता तथा लेखक, अनुवादक एवं प्रकाशक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवनिर्मित घर की पूरी बिजली वायरिंग काट ले गए चोर,....

रंगिरखारी पुलिस चौकी की दूरी मात्र एक से डेढ.किलोमीटर है। इसके बावजूद क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं होना पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाता है।घटना के बाद क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने नियमित पुलिस गश्त बढाने तथा असामाजिक गतिविधियों पर कडी निगरानी रखने की मांग की है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि चोरी में शामिल आरोपियों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाने में पुलिस कितनी जल्दी सफलता प्राप्त करती है।

सुबनसिरी में पानी छोडे.जाने से नावें फंस गइ....

गई, जिससे प्रभावित इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई।लोगों ने आरोप लगाया कि पानी बिना किसी पहले से चेतावनी के छोडा गया, जिससे नदी पर निर्भर लोगों को सावधानी बरतने का बहुत कम समय मिला। अचानक पानी बढने से सुबनसिरी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों में भी चिंता बढ.गई।
लोकल अधिकारियों और डिजास्टर मैनेजमेंट टीमों ने स्थिति पर नजर रखी और लोगों से सतर्क रहने की अपील की। अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी कि जब तक पानी का लेवल स्थिर न हो जाए, वे नदी में न जाएं और नदी के किनारे के कमजोर इलाकों से दूर रहें।इस घटना ने एक बार फिर अपस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स से पानी छोडने के मैनेजमेंट और सुबनसिरी नदी के किनारे रहने वाले समुदायों की जान और रोजी-रोटी की सुरक्षा के लिए समय पर जानकारी देने की जरूरत पर चिंता जताई है।यह रिपोर्ट लिखते समय किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि अधिकारी लोकल ट्रांसपोर्टेशन और मछली पकडने की एक्टिविटीज.पर पडने वाले असर का अंदाजा लगा रहे हैं।

१५ लाख रुपये मूल्य की टिन लेकर ट्रक चालक फरार, पुलिस ने ट्रक बरामद किया, माल का अब तक नहीं मिला सुराग

चंद्रशेखर ग्वाला लखीपुर, ७ जून: गुवाहाटी के बनीहाट से कछार जिले के बांसकांदी के लिए भेजी गई लगभग १५ लाख रुपये मूल्य की टिन रहस्यमय ढंग से रास्ते से गायब हो गई है। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने कातिराइल क्षेत्र से ट्रक बरामद कर लिया है, लेकिन चालक और मालिक पक्ष के लोग अब तक फरार हैं। पुलिस को आशंका है कि चालक ने मालिक पक्ष की मिलीभगत से रास्ते में कहीं टिन बेच दी और फरार हो गया।जानकारी के अनुसार, बांस्कांदी स्थित एमएम हार्डवेयर के मालिक जरीप उद्दीन लस्कर (बक्कू) ने गत २० मई को बनीहाट स्थित पावर रूफिंग फैक्ट्री से १४ लाख ५२ हजार ९३७ रुपये मूल्य की टिन खरीदी थी। टिन को बांसकांदी तक पहुंचाने के लिए दलाल अब्दुल हकीम बरभुइयां और अमीनुल इस्लाम लस्कर के माध्यम से एएस-डीसी-२१८६ नंबर के ट्रक में लोड कराया गया था।ट्रक की मालकिन पांचग्राम थाना क्षेत्र के कालीनगर आठवें खंड की निवासी झरना खातून लस्कर हैं, जबकि उनके पति का नाम शफीक उद्दीन लस्कर बताया गया है। ट्रक का चालक जिरीबाम निवासी मोस्ताक आलम था, जो हाफलोंग मार्ग से बांस्कांडी आ रहा था।हालांकि ४ जून तक टिन से लदा ट्रक गंतव्य तक नहीं पहुंचा, जिसके बाद जरीप उद्दीन लस्कर ने पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर ५ जून को लखीपुर थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ३१६(३), ३१८(४), ३०३(२) और ६१ के तहत मामला दर्ज किया गया।मामले में शिकायतकर्ता ने पांच लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। इनमें गुवाहाटी के अब्दुल हकीम, झरना खातून लस्कर, चालक मोस्ताक आलम, अमीनुल इस्लाम तथा किंकर शर्मा शामिल हैं। पुलिस अब तक तीन आरोपियों से पूछताछ कर चुकी है, लेकिन गायब टिन का कोई पता नहीं चल सका है।सूत्रों के अनुसार, टिन से लदा ट्रक बरखोला तक पहुंचा था, जिसके बाद उसका कोई स्पष्ट पता नहीं चल पाया। मामले की जांच लखीपुर थाना के उपनिरीक्षक (एसआई) रेहान उद्दीन कर रहे हैं। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रतिभाशाली छात्रा सुश्री योग्यता चोरड़िया का सम्मान समारोह संपन्न

प्रे.सं.शिलचर ७ जून : मारवाडी सम्मेलन, सिलचर शाखा एवं महिला शाखा द्वारा असम Higher Secondary (H.S.) परीक्षा २०२६ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रतिभाशाली छात्रा सुश्री योग्यता चोरडय़िा, सुपुत्री श्री राजेश चोरडय़िा को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया गया।ज्ञातव्य है कि मारवाडी सम्मेलन, सिलचर शाखा एवं महिला शाखा द्वारा दिनांक २४ मई २०२६ को ८५% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया गया था। उस अवसर पर सुश्री योग्यता चोरडय़िा की अनुपस्थिति के कारण उन्हें सम्मानित नहीं किया जा सका था। इसी क्रम में आज विशेष रूप से उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मान समारोह आयोजित किया गया।समारोह में उपस्थित मारवाडी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री जय कुमार बरडिया,मंत्री प्रकाश चंद सुराना , शिक्ष्या संयोजक संजय नाहटा, झवर जी पटवा प्रमुख पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य सदस्यों ने सुश्री योग्यता चोरडय़िा को उत्तरीय, सम्मान- स्मृति-चिन्ह एवं गिफ्ट प्रदान कर उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ समाज के लिए गर्व का विषय हैं तथा ऐसे सम्मान समारोह अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ठता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।मारवाडी सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने सुश्री योग्यता चोरडय़िा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी शिक्षा एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर समाज एवं परिवार का नाम रोशन करेंगी।कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों द्वारा छात्रा के उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ देने के साथ हुआ।

वर्ल्ड बाइसिकल डे पर CRPF की १७१ बटालियन ने साइकिल रैली निकाली, फिटनेस के बारे में जागरूकता फैलाई

डिबूगढ: (अर्णव शर्मा) ७ जून : फिट इंडिया पहल के तहत वर्ल्ड बाइसिकल डे के मौके पर, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF), डिबूगढ.की १७१ बटालियन ने रविवार को फ़िज़िकल फिटनेस, हेल्दी लाइफस्टाइल और पर्यावरण बचाने को बढावा देने के लिए एक बडी साइकिल रैली निकाली।रैली को कमांडेंट एस. केंगू ने रिजर्व पुलिस लाइन में बटालियन हेडक्वार्टर से हरी झंडी दिखाई। इस इवेंट में बटालियन के अफसरों और कर्मचारियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया।रैली रिजर्व पुलिस लाइन के मेन गेट से शुरू हुई और थाना चरियाली और डिबूगढ.शहर के कई खास रास्तों से गुजरते हुए लगभग पाँच किलोमीटर का सफर तय करके हेडक्वार्टर वापस लौटी। हिस्सा लेने वालों ने देश की एकता, देशभक्ति और हेल्दी लाइफस्टाइल को बढावा देने वाले नारे लगाए, साथ ही लोगों में साइकिल चलाने के फायदों के बारे में जागरूकता भी फैलाई।स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और पूरे रास्ते हिस्सा लेने वालों को अपना सपोर्ट दिया। इस मौके पर बोलते हुए, कमांडेंट एस. केंगू ने रेगुलर साइकिल चलाने के कई हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताया, और कहा कि इससे कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ बेहतर होती है, फिजिकल फिटनेस बढती है और मेंटल स्ट्रेस कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अच्छी हेल्थ बनाए रखने के लिए साइकिलिंग को अपने डेली रूटीन में शामिल करें, यह एक आसान लेकिन असरदार तरीका है।उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि साइकिलिंग ट्रांसपोर्ट का एक इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल तरीका है जो न सिर्फ इंसान की सेहत में मदद करता है बल्कि पॉल्यूशन कम करने और ट्रैफिक जाम को कम करने में भी अहम भूमिका निभाता है।वहां मौजूद लोगों में सेकंड-इन-कमांड संजय मारवान, डिप्टी कमांडेंट राजेश कुमार, मेडिकल ऑफिसर डॉ. दादी शिवा गणेश, साथ ही सबऑर्डिनेट ऑफिसर और जवान शामिल थे, जिनकी एक्टिव हिस्सेदारी ने प्रोग्राम को सफल बनाने में मदद की।रैली ने एक मजबूत मैसेज दिया जिसमें लोगों को सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन तरीकों के जरिए एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन में योगदान देते हुए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए बढावा दिया गया।

फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने डिबूगढ.में मार्केट की जांच की, फलों और सब्जियों में कोई मिलावट नहीं मिली

डिबूगढ:(अर्णव शर्मा) ७ जून : कस्टमर की हेल्थ को सुरक्षित रखने और खाने की चीजों की क्वालिटी पक्का करने के लिए, डिबूगढ.डिस्ट्रिक्ट फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने शहर के कई बडे.मार्केट में बडे.पैमाने पर जांच की।यह जांच कालीबाडी रोड, न्यू मार्केट, पलटन बाजार, नलियापूल, चावल बाजार और लोहारपट्टी जैसे खास कमर्शियल इलाकों में की गई। इस जांच के दौरान, फूड सेफ्टी अधिकारियों ने वेंडरों द्वारा बेचे जा रहे फलों और सब्जय़िों की अच्छी तरह से जांच की ताकि किसी भी तरह की मिलावट या असुरक्षित तरीकों का पता लगाया जा सके।जांच का मुख्य फोकस कैल्शियम कार्बाइड के इस्तेमाल की पहचान करना था, जो एक बैन केमिकल है जिसका इस्तेमाल अक्सर फलों को आर्टिफिशियल तरीके से पकाने के लिए किया जाता है। अधिकारियों ने अलग-अलग फलों की दुकानों से सैंपल टेस्ट किए लेकिन कैल्शियम कार्बाइड के इस्तेमाल का कोई सबूत नहीं मिला।टीम ने सब्जय़िों में आर्टिफिशियल रंग और दूसरी तरह की मिलावट की भी जांच की। डिपार्टमेंट के मुताबिक, इस जांच के दौरान जांचे गए किसी भी सब्जी के सैंपल में नुकसान पहुंचाने वाले रंग या मिलावट का कोई निशान नहीं मिला। अधिकारियों ने नतीजों को कंज्यूमर्स के लिए राहत देने वाला बताया, और कहा कि जिन मार्केट्स में जांच की गई, वहां मिलने वाले फल और सब्जियां नुकसानदायक मिलावट से मुक्त पाई गई।फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने इस बात पर जोर दिया कि खाने की क्वालिटी स्टैंडर्ड बनाए रखने और लोगों की सेहत की रक्षा के लिए ऐसे इंस्पेक्शन ड्राइव रेगुलर तौर पर जारी रहेंगे। अधिकारियों ने व्यापारियों और वेंडर्स से यह भी कहा कि वे फूड सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन करें और यह पक्का करें कि कंज्यूमर्स तक सिर्फ सुरक्षित और अच्छी क्वालिटी का सामान ही पहुंचे।

मारवाडी युवा मंच डिबूगढ.ने मेगा फ्री हेल्थ चेक-अप और ब्लड डोनेशन कैंप लगाया (सैकडों लोगों को पूरी हेल्थकेयर सर्विस से फायदा हुआ; स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने एक्सपर्ट कंसल्टेशन दिया)

डिबूगढ: (अर्णव शर्मा) ७ जून : पब्लिक हेल्थ और कम्युनिटी वेलफेयर को बढावा देने के मकसद से एक अच्छी पहल में, मारवाडी युवा मंच डिबूगढ.ने रविवार को मोतीलाल जीतनी भवन, झालुकपारा में एक मेगा फ्री हेल्थ चेक-अप कैंप और ब्लड डोनेशन ड्राइव का सफल आयोजन किया। यह इवेंट सुप्रभात हेल्थकेयर और मारवाडी आरोग्य भवन एंड हॉस्पिटल के साथ मिलकर किया गया।कैंप में जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिला, जिसमें सैकडों लोगों ने फ्री हेल्थ स्क्रीनिंग, मेडिकल कंसल्टेशन और ब्लड डोनेशन सर्विस का फायदा उठाया। इस पहल का मुख्य मकसद आसान और अच्छी हेल्थकेयर सर्विस देना, बीमारियों का जल्दी पता लगाने के लिए बढावा देना और लोगों में प्रिवेंटिव हेल्थकेयर के बारे में जागरूकता बढाना था। स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की एक टीम ने जनरल मेडिसिन, डायबिटीज मैनेजमेंट, डेंटिस्ट्री, फिजियोथैरेपी, ऑर्थोपेडिक्स, स्पाइन केयर, और गायनेकोलॉजी और ऑब्सटेट्रिक्स समेत अलग-अलग फील्ड में फ्री कंसल्टेशन दिया। हेल्थ एक्सपर्ट्स ने आए हुए लोगों को हेल्दी लाइफस्टाइल बनाए रखने, रेगुलर हेल्थ चेक-अप करवाने और समय पर इलाज के लिए बीमारियों को शुरुआती स्टेज में पहचानने के महत्व के बारे में भी बताया।अनुभवी मेडिकल प्रोफेशनल्स के पैनल में डॉ. पार्थ प्रतिम दास, डॉ. सुनिधि अग्रवाल, डॉ. प्रियांशी अग्रवाल, डॉ. राहुल केशन, और डॉ. श्वेता के. दमानी शामिल थे, जिन्होंने मरीजों की जांच की और जरूरी मेडिकल सलाह और इलाज की गाइडेंस दी। डॉक्टरों ने अलग-अलग उम्र के लोगों की हेल्थ से जुडी कई तरह की चिंताओं पर ध्यान दिया और बेहतर हेल्थ मैनेजमेंट के लिए प्रैक्टिकल सुझाव दिए।कैंप की एक खास बात फ्री बोन डेंसिटी टेस्ट की सुविधा थी, जिसमें काफी लोग शामिल हुए। इसके अलावा, कई जरूरी पैथोलॉजिकल टेस्ट्रजिनमें उइउ, थायरॉइड प्रोफाइल, क्लअ१ल, लिपिड प्रोफाइल, डऋढ, घऋढ, विटामिन ऊ और विटामिन इ१२ शामिल हैंबहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराए गए, जिससे लोग कम से कम खर्च में जरूरी डायग्नोस्टिक स्क्रीनिंग करवा सकें।मारवाडी आरोग्य भवन और हॉस्पिटल के सपोर्ट से ऑर्गनाइज.किए गए ब्लड डोनेशन ड्राइव को भी बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला। युवाओं, सोशल वर्कर्स और जम्मिेदार नागरिकों ने अपनी मर्जी से ब्लड डोनेट किया, जिससे जान बचाने और इंसानियत की सेवा करने का उनका कमिटमेंट दिखा। ऑर्गनाइजर्स ने ब्लड डोनेशन को एक नेक काम बताया और ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को ऐसे इंसानी कामों में शामिल होने के लिए हिम्मत दी।मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, मारवाडी युवा मंच डिबूगढ.के प्रेसिडेंट रोहन जालान ने कहा कि ऑर्गनाइजेशन ने हेल्थकेयर, एजुकेशन और कम्युनिटी डेवलपमेंट में इनिशिएटिव्स के जरिए लगातार समाज की भलाई के लिए काम किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हेल्थ अवेयरनेस और समय पर मेडिकल कंसल्टेशन एक हेल्दी समाज बनाने में जरूरी रोल निभाते हैं। उन्होंने इवेंट की कामयाबी में उनके कीमती योगदान के लिए हिस्सा लेने वाले नागरिकों, मेडिकल प्रोफेशनल्स, पार्टनर ऑर्गनाइजेशन्स और वॉलंटियर्स का भी शुक्रिया अदा किया। खास तौर पर, मारवाडी युवा मंच डिबूगढ.कई सालों से हेल्थ अवेयरनेस कैंपेन, ब्लड डोनेशन ड्राइव, एजुकेशनल मदद प्रोग्राम, एनवायरनमेंटल कंजर्वेशन इनिशिएटिव, डिजास्टर रिलीफ एफर्ट्स, यूथ डेवलपमेंट एक्टिविटीज.और अलग-अलग ह्यूमनिटेरियन प्रोजेक्ट्स के जरिए सोशल सर्विस में एक्टिव रूप से लगा हुआ है।मेगा हेल्थ चेक-अप और ब्लड डोनेशन कैंप ने एक बार फिर ऑर्गनाइजेशन के पब्लिक वेलफेयर और सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के प्रति मजबूत कमिटमेंट को दिखाया। लोकल लोगों ने इस इनिशिएटिव की तारीफ.की और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे ही प्रोग्राम ऑर्गनाइज.किए जाते रहेंगे।

डिबूगढ.में गैर-कानूनी कब्जों पर कार्रवाई; गांजा जब्ती से जुडा स्टॉल गिराया गया

डिबूगढ: (अर्णव शर्मा) ७ जून : सडक़ किनारे गैर-कानूनी कब्जों के खिलाफ.एक बडी कार्रवाई करते हुए, डिबूगढ.म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (DMC) ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में बडे.पैमाने पर बेदखली अभियान चलाया है, जिसमें तय वेंडिंग जोन के बाहर बिना इजाजत सडक़ किनारे लगे दुकानदारों और ढांचों को हटाया गया है।गिराए गए ढांचों में टिंकुनिया के पास ग्राहम बाजार में सडक़ किनारे लगा एक स्टॉल भी शामिल था, जो हाल ही में तब लोगों की नजर में आया था जब एक रेड में कथित तौर पर जगह से ८५.२४० ग्राम संदिग्ध कैनाबिस (गांजा) बरामद हुआ था। अधिकारियों द्वारा पब्लिक जगहों पर कब्जा करने और व्यस्त सडक़ों और फुटपाथों पर व्यवस्था बहाल करने की कोशिशें तेज.करने के बाद सिविक बॉडी के एनफोर्समेंट ऑपरेशन के दौरान स्टॉल को हटा दिया गया था।
यह बेदखली अभियान जलि़ा प्रशासन और ऊ्चउ द्वारा मिलकर जारी किए गए सात दिन के नोटिस पीरियड के खत्म होने के बाद चलाया गया। इस नोटिस में सडक़ किनारे, फुटपाथ और दूसरी पब्लिक जगहों पर कब्जा करने वाले वेंडरों को ऑफिशियली तय वेंडिंग जोन में जाने का निर्देश दिया गया था। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, कई वेंडर कथित तौर पर इसका पालन नहीं कर पाए, जिसके बाद अधिकारियों ने सख्त कदम उठाने शुरू किए।ऑपरेशन के दौरान बोलते हुए, ऊ्चउ कमिश्नर नोवास दास, अउड, ने कहा कि कॉर्पोरेशन ने गैर-कानूनी कब्जों के प्रति जीरो-टॉलरेंस का रवैया अपनाया है, जो ट्रैफिक में रुकावट डालते हैं और पब्लिक सेफ्टी से समझौता करते हैं।दास ने कहा, 'पब्लिक सडक़ें, फुटपाथ और हाईवे आने-जाने वालों और पैदल चलने वालों के लिए हैं। इन जगहों पर बिना इजाजत कब्जा करने से गंभीर परेशानी और सेफ्टी का खतरा पैदा होता है। कॉर्पोरेशन यह पक्का करने के लिए कमिटेड है कि पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल उसके तय मकसद के लिए किया जाए।'अधिकारियों और कानून लागू करने वाले लोगों के सपोर्ट से नगर निगम की टीमों ने डिबूगढ.में कई जगहों पर यह अभियान चलाया, जिसमें गैर-कानूनी स्टॉल हटाए गए और उन कब्जों को हटाया गया, जिनसे सडक़ें पतली हो गई थीं और पैदल चलने वालों की आवाजाही में रुकावट आ रही थी।अधिकारियों ने कहा कि यह ऑपरेशन शहरी मैनेजमेंट को बेहतर बनाने, ट्रैफिक जाम कम करने, पैदल चलने वालों की सुरक्षा बढाने और शहर में नागरिक अनुशासन बनाए रखने की एक बडी पहल का हिस्सा है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भी इसी तरह की ड्राइव जारी रहेंगी और जो लोग खाली की गई पब्लिक जगहों पर दोबारा कब्जा करने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।ग्राहम बाजार के स्टॉल को हटाने से, खासकर हाल ही में कथित तौर पर गांजा बरामद होने के बाद, लोगों का काफी ध्यान गया है और इसे प्रशासन की तरफ से गैर-कानूनी कब्जे.और पब्लिक जमीन से चल रही गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ एक कडा संदेश माना जा रहा है।लोगों और आने-जाने वालों ने इस कदम का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि लगातार लागू करने से डिबूगढ.में एक साफ, सुरक्षित और ज़्यादा व्यवस्थित शहरी माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर उधारबंद सर्किल कार्यालय में वृक्षारोपण

निहार कांति राय उधारबंद,७ जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उधारबंद सर्किल कार्यालय में नवागत सर्किल अधिकारी प्राणबानंद दोयारा की पहल पर शुक्रवार को एक व्यापक पर्यावरण जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के करणजीत धर ने सहयोग प्रदान किया।कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर एक विचार-विमर्श सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर उधारबंद विकासखंड की बीडीओ साधना काथारपी, उधारबंद ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के एसडीएमओ डॉ. अर्जुन प्रसाद गोयाला, काछाकांति सेवा समिति के महासचिव अंशुमान दत्ता, शिक्षक शरदिन्दु भट्टाचार्य, बराक उपत्यका बंग साहित्य एवं संस्कृति सम्मेलन की उधारबंद आंचलिक समिति के अध्यक्ष भास्कर दास, उपाध्यक्ष नीहार कांति राय, बीईईओ सतीश कुमार कैरी तथा एनडीआरएफ के आनंद बरुआ सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।वक्ताओं ने पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैश्विक तापमान वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) के कारण पृथ्वी के जीव-जंतुओं और समस्त जीव-जगत पर गंभीर दुष्प्रभाव पड.रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सभी से प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर जिम्मेदारी निभानी होगी।इसके पश्चात सर्किल अधिकारी प्राणबानंद दोयारा ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढाने की आवश्यकता पर बल दिया और सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। सर्किल अधिकारी प्राणबानंद दोयारा ने वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद बीडीओ साधना काथारपी, डॉ. अर्जुन प्रसाद गोयाला तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में बराक बंग साहित्य एवं संस्कृति सम्मेलन, उधारबंद आंचलिक समिति के जिला सह-उपाध्यक्ष ब्रजेश्वर सिंह, आंचलिक समिति के महासचिव नुरुल हुदा, सदस्य बिजन चक्रवती तथा एनडीआरएफ क्यूआरटी के कर्मी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढाना तथा वृक्षारोपण के माध्यम से हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संदेश देना था।

असम चाय जनजाति छात्र संस्था ने दुमदुमा में शहीद दिवस का आयोजन

दुमदुमा, प्रेरणा भारती ७ जून: असम चाय जनजाति छात्र संस्था (आट्सा) तिनसुकिया जिला समिति के सौजन्य तथा असम चाय जनजाति महिला समिति के आतिथ्य में ३८वें शहीद दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आट्सा की दुमदुमा, तालाप, माकुम, तिनसुकिया, डिगबोई, पेंगरी तथा मार्घेरिटा शाखाओं के साथ-साथ असम चाय जनजाति महिला समिति सहयोग से आयोजित किया गया। चाय जनजाति समुदाय के अधिकारों और विभिन्न ज्वलंत मांगों को लेकर वर्षों से चल रहे आंदोलन के दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जा रहा है ।आट्सा ने बताया कि वर्ष १९८८ के ७ जून को चाय बागान मालिकों एवं प्रबंधन के खिलाफ चलाए गए आंदोलन में भाग लेने के दौरान दुर्घटना में मारे गए अष्टम और नवम श्रेणी के छात्र कृतिनाथ छत्री, गोलेश्वर छत्री, बुलु कुर्मी, इंद्र तांती एवं एडमंड बार्ला के याद में तथा १९९२ में आनंद खालक , २००९ के ७ जून को आटसा के अजीत मुंडा, नारायण दास, विनंद पातर, अजय कुर्मी,सामु पातर तथा २०१९ में का आंदोलन में शहीद हुए ईश्वर नायक के याद में आज आट्सा द्वारा शहीद दिवस पालन किया गया ।विभिन्न आंदोलनों में शहीद हुए लोगों को भी श्रद्धांजलि दी गई। सर्व प्रथम तिनसुकिया जिला समिति के आट्सा अध्यक्ष जगत नायक ने ध्वजारोहण किया। शहीद तर्पण जिला सचिव अनूज तांती ने किया तत्पश्चात दो मिनट का मौन रख कर शहीदों को याद किया गया।३८वें शहीद दिवस के अवसर पर दुमदुमा दुर्गाबाडी प्रेक्षागृह में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्मृति चारण सभा आयोजित किया गया । जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों सहित आट्सा तिनसुकिया जिला समिति के अध्यक्ष जगत नायक तथा सचिव अनुज तांती दुमदुमा आंचलिक अध्यक्ष इरत तांती सचिव योगेश्वर नंद, केन्द्रीय समिति के सदस्य रूपेश तांती, पूर्व आटसा नेता नकूल संवासी सहित उपस्थित लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित च की । कार्यक्रम में विभिन्न धर्मावलंबी के सर्व धर्म सभा में शांति पाठ किया गया। उसके बाद प्रेक्षागृह में आयोजित सभा में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया।शाम गांधी मुती समीप शहीदों की याद में दीप प्रज्ज्वलित केन्द्रीय समिति के सदस्य रूपेश तांती के नेतृत्व में किया गया ।

गुवाहाटी में युवक पर हमले के आरोप में नगालैंड के पांच युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी, ०७ जून, (हि.स.)। गुवाहाटी के गणेशगुडी क्षेत्र में एक युवक पर कथित हमले के मामले में दिसपुर पुलिस ने नगालैंड के पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। घटना रविवार को सामने आई।पीडति युवक की पहचान असम के पाठशाला निवासी सिमु दास के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सार्वजनिक स्थान पर हुए एक विवाद के दौरान आरोपितों ने सिमु दास के साथ मारपीट की।सूत्रों के मुताबिक, आरोपितों ने युवक की बेरहमी से पिटाई की और उसे गोली मारने की धमकी भी दी, जिससे इलाके में भय और तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया।घटना की जानकारी मिलने के बाद दिसपुर पुलिस ने जांच शुरू करते हुए सभी पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, हमले के पीछे की वजह का अब तक आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं किया गया है।पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। वहीं, इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता देखी जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने प्रसिद्ध कवि पार्वतीप्रसाद बरुवा को किया याद

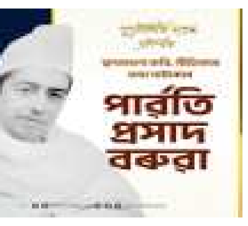

गुवाहाटी, ०७ जून (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने प्रसिद्ध कवि तथा गीतकार एवं नाटककार पार्वतीप्रसाद बरुवा को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक संदेश शेयर करते हुए कहा है कि असम के प्रसिद्ध कवि तथा गीतकार एवं नाटककार पार्वतीप्रसाद बरुवा को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा के साथ याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा है कि गीतकार के रूप में प्रसिद्ध बरुवा ने गीति-साहित्य के अलावा असमिया फिल्मों के निर्माण में भी असम के सिनेमा उद्योग को नई दिशा दिखाई है। उनकी रचनाएं हर असमिया की मानसिकता में हमेशा जीवित रहेंगी।पार्वती प्रसाद बरुवा का जन्म १९ अगस्त, १९०४ शिवसागर जिले में हुआ था। उनका निधन ०७ जून, १९६४ में हुआ। असम के एक साहित्यकार, गीतकार, कवि, फिल्म निर्माता और नाटककार थे। उन्हें गीतकार के रूप में जाना जाता था। उन्होंने १९४० में रूपही बनाई। रूपही असम की चौथी फिल्म थी। सिर्फ फिल्म बनाना ही नहीं, उन्होंने उसमें अभिनय भी किया। छात्रावस्था में ही उन्होंने 'टुपितरा' नाम से एक हस्तलिखित पत्रिका निकाली थी। 'टुपितरा' बंद होने पर छोटे भाई मोक्षदा प्रसाद के संपादन में 'घर-जौति' लिखकर प्रकाशित की। पार्वती प्रसाद बरुवा ने १९६१ में गुवाहाटी में असम साहित्य सभा के संगीत सम्मेलन के अध्यक्ष का पद संभाला था।

पुण्यतिथि पर कृष्णकांत हैंडिक को मुख्यमंत्री ने किया याद

गुवाहाटी, ०७ जून (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने आज पंडितप्रवर डॉ. कृष्णकांत हैंडिक की पुण्यतिथि पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा है कि असाधारण पांडित्य, ज्ञान की खोज और समाज के लिए किए गए योगदान के चलते पंडितप्रवर डॉ. कृष्णकांत हैंडिक ने असम को एक नई बौद्धिक दिशा दी। शिक्षा के प्रसार, संस्कृति के संरक्षण और साहित्य की संपन्नता के क्षेत्र में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।उन्होंने कहा है कि असम की शिक्षा, साहित्य और सांस्कृतिक जागृति के एक अद्वितीय मार्गदर्शक हैंडिक की पावन पुण्यतिथि पर हम उन्हें गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके आदर्श, कर्मनिष्ठा और ज्ञान की रोशनी भविष्य की पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।कृष्णकांत हैंडिक का जन्म असम के जोरहाट जिले के सातबरिया अहोम परिवार में २० जुलाई, १८९८ में हुआ था, जबकि निधन ०७ जून, १९८२ को हुआ था।। उनके पिता किसान राय बहादुर राधाकांत हैंडिक और माता नारायणी हैंडिक थीं। वे असम के एक लेखक, संस्कृत विद्वान और शिक्षाविद थे। संस्कृत और भाषाविज्ञान के क्षेत्र में उन्होंने अद्वितीय पांडित्य का परिचय दिया। श्रीहर्ष के 'नैषध चरित', सोमदेव के 'यशस्तिलक' आदि ग्रंथों के अनुवाद के माध्यम से उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की। नौ साल तक गौहाटी विश्वविद्यालय के उपकुलपति की भूमिका निभाने वाले हैंडिक केवल ३९ वर्ष की आयु में १९३७ में असम साहित्य सभा की गुवाहाटी सभा के अध्यक्ष भी चुने गए थे।उल्लेखनीय है कि असम के कई सार्वजनिक आयोजनों के विकास के लिए उदार दान देने के कारण लोगों ने कृतज्ञता स्वरूप राधाकांत हैंडिक को 'दानवीर' की उपाधि से सम्मानित किया। दानवीर राधाकांत हैंडिक के चार बेटों में कृष्णकांत हैंडिक सबसे बडे थे। उनकी मां नारायणी देवी असम के अन्य एक विद्वान पद्मनाथ गोहाई बरुवा की बहन थीं।

प्रसिद्ध कवि, नाटककार अतुलचंद्र हजारिका की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

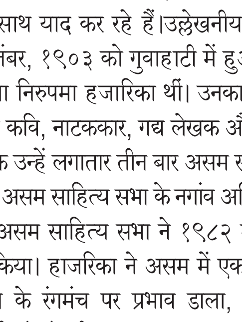

गुवाहाटी, ०७ जून (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने आज प्रसिद्ध कवि, नाटककार, गद्य लेखक, शोधकर्ता और बाल साहित्यकार अतुलचंद्र हजारिका की पुण्यतिथि पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि प्रसिद्ध कवि, नाटककार, गद्य लेखक, शोधकर्ता और बाल साहित्यकार अतुलचंद्र हजारिका असमिया साहित्य के विशाल क्षेत्र के एक चिर सम्माननीय व्यक्तित्व हैं। असम साहित्य सभा के अध्यक्ष के पद को भी अलंकृत करने वाले हजारिका की रचनाएं ही हमें प्रकाश की राह दिखाईं।साहित्याचार्य के योगदान से असमिया साहित्य जगत और विशाल असमिया समाज को पीढ़ी दर पीढ़ी हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी। आज उनके पुण्यतिथि पर हम उन्हें गहरी श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि अतुल चन्द्र हजारिका का जन्म ०९ सितंबर, १९०३ को गुवाहाटी में हुआ था। उनके पिता रमाकांत हजारिका एवं माता निरुपमा हजारिका थीं। उनका निधन ०७ जून, १९८६ में हुआ। एक असमिया कवि, नाटककार, गद्य लेखक और बच्चों के साहित्यकार थे। १९५३ से १९५८ तक उन्हें लगातार तीन बार असम साहित्य सभा का महासचिव चुना गया। १९५९ के असम साहित्य सभा के नगांव अधिवेशन में उन्हें सम्मेलन की अध्यक्षता की। असम साहित्य सभा ने १९८२ में उन्हें साहित्याचार्य की उपाधि से सम्मानित किया। हजारिका ने असम में एक नाट्य आंदोलन की शुरुआत की और असम के रंगमंच पर प्रभाव डाला, जिसके परिणामस्वरूप बंगाली नाटकों को असम के रंगमंच से हटना पडा था।

बजाली में तीन संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को लोगों ने पकडा

बजाली (असम), ०७ जून (हि.स.)। असम के बजाली जिले में तीन संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को स्थानीय लोगों ने पकडकर पुलिस अधिकारियों के हवाले कर दिया। यह घटना पाठशाला के वार्ड संख्या-२ में सामने आई है।पुलिस ने आज बताया कि स्थानीय लोगों को तीनों व्यक्तियों की गतिविधियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्हें रोककर पूछताछ की गई। बाद में लोगों ने उन्हें अपने कब्जे में लेकर संबंधित अधिकारियों को सूचना दी।स्थानीय स्तर पर हुई प्रारंभिक पूछताछ के दौरान तीनों ने कथित रूप से बताया कि वे काम की तलाश में आए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि रोजगार के लिए अन्य लोग भी इसी प्रकार आते हैं।घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों द्वारा तीनों की पहचान, नागरिकता और भारत में प्रवेश से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बीसीसीआई : १५ साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए विशेष फैसला, इंग्लैंड दौरे पर माता-पिता रह सकेंगे साथ

नई दिल्ली. (एजें) ७ जून : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए एक विशेष व्यवस्था की है. आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी२० सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने गए १५ वर्षीय वैभव को इंग्लैंड दौरे पर अपने माता-पिता या परिवार के किसी सदस्य को साथ रखने की अनुमति दी गई है.बोर्ड का मानना है कि कम उम्र में पहली बार सीनियर भारतीय टीम के साथ विदेशी दौरे पर जा रहे खिलाडी के लिए पारिवारिक समर्थन महत्वपूर्ण हो सकता है. बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि वैभव अब तक अपनी उम्र के खिलाडि?ों के साथ ही यात्रा और प्रतियोगिताओं का हिस्सा रहे हैं, जबकि सीनियर टीम का माहौल पूरी तरह अलग है. ऐसे में परिवार का साथ उन्हें नए माहौल में सहज महसूस कराने में मदद करेगा.सैकिया ने कहा कि वैभव अभी नाबालिग हैं और उनकी उम्र को देखते हुए यह फैसला लिया गया है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि परिवार इंग्लैंड दौरे पर उनके साथ जाना चाहता है तो बोर्ड आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगा. फिलहाल वैभव श्रीलंका में इंडिया-ए टीम के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेल रहे हैं. उनके पिता भी जल्द वहां पहुंचने वाले हैं.वैभव सूर्यवंशी का चयन हाल के शानदार प्रदर्शन का परिणाम माना जा रहा है. उन्होंने अंडर-१९ विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ १७५ रनों की यादगार पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाया था. इसके बाद आईपीएल २०२६ में राजस्थान रॉयल्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए १६ मैचों में ७७६ रन बनाए और ऑरेंज कैप सहित कई व्यक्तिगत पुरस्कार अपने नाम किए. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी वैभव की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि युवा बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है. उनके अनुसार, कम उम्र में दबाव भरे मुकाबलों में वैभव का प्रदर्शन असाधारण रहा है और उनमें मैच का रुख बदलने की क्षमता है. अब क्रिकेट प्रशंसकों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या वैभव सूर्यवंशी सीनियर भारतीय टीम के लिए मैदान पर उतरकर अपने करियर का एक और यादगार अध्याय लिख पाएंगे. वहीं क्चष्टष्टढ्ढ का यह फैसला यह भी दर्शाता है कि बोर्ड अपने युवा खिलाडि?ों की प्रतिभा के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत और भावनात्मक विकास को भी महत्व दे रहा है.

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक वृक्ष माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

प्रे.सं. कोकराझार ७ जून। ३१वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गोसाईगांव के संदीक्षा परिवार विश्व पर्यावरण दिवस बडे. उत्साह एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण भाव के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया ।
श्रीमती संजु सिंह, संदीक्षा अध्यक्षा के मार्ग दर्शन में संदीक्षा सदस्यों ने ङ्गएक वृक्ष माँ के नामङ्घ थीम के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान हरियाली को बढा़वा देने तथा पारिस्थितिकीय स्थिरता को सुदृढ.करने के उद्देश्य से वाहिनी मुख्यालय परिसर में १०० पौधों का रोपण किया गया ।इस कार्यक्रम में संदीक्षा सदस्यों ने पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ भाग लिया और प्रकृति के संरक्षण तथा आने वाली पीढियों के लिए एक हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय दिया ।डिब्रूगढ.में गैर-कानूनी कब्जों पर कार्रवाई; गांजा जब्ती से जुडा स्टॉल गिराया गयाडिब्रूगढ: सडक़ किनारे गैर-कानूनी कब्जों के खिलाफ.एक बडी कार्रवाई करते हुए, डिब्रूगढ.म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (ڈ्चउ) ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में बडे.पैमाने पर बेदखली अभियान चलाया है, जिसमें तय वेंडिंग जोन के बाहर बिना इजाजत सडक़ किनारे लगे दुकानदारों और ढांचों को हटाया गया है।गिराए गए ढांचों में टिंकुनिया के पास ग्राहम बाजार में सडक़ किनारे लगा एक स्टॉल भी शामिल था, जो हाल ही में तब लोगों की नजर में आया था जब एक रेड में कथित तौर पर जगह से ८५.२४० ग्राम संदिग्ध कैनाबिस (गांजा) बरामद हुआ था। अधिकारियों द्वारा पब्लिक जगहों पर कब्जा करने और व्यस्त सडक़ों और फुटपाथों पर व्यवस्था बहाल करने की कोशिशें तेज.करने के बाद सिविक बॉडी के एनफोर्समेंट ऑपरेशन के दौरान स्टॉल को हटा दिया गया था।यह बेदखली अभियान जलि़ा प्रशासन और ڈ्चउ द्वारा मिलकर जारी किए गए सात दिन के नोटिस पीरियड के खत्म होने के बाद चलाया गया। इस नोटिस में सडक़ किनारे, फुटपाथ और दूसरी पब्लिक जगहों पर कब्जा करने वाले वेंडरों को ऑफिशियली तय वेंडिंग जोन में जाने का निर्देश दिया गया था। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, कई वेंडर कथित तौर पर इसका पालन नहीं कर पाए, जिसके बाद अधिकारियों ने सख्त कदम उठाने शुरू किए।ऑपरेशन के दौरान बोलते हुए, ڈ्चउ कमिश्नर नोवास दास, अउड, ने कहा कि कॉर्पोरेशन ने गैर-कानूनी कब्जों के प्रति जीरो-टॉलरेंस का रवैया अपनाया है, जो ट्रैफिक में रुकावट डालते हैं और पब्लिक सेफ्टी से समझौता करते हैं।दास ने कहा, 'पब्लिक सडक़ें, फुटपाथ और हाईवे आने-जाने वालों और पैदल चलने वालों के लिए हैं। इन जगहों पर बिना इजाजत कब्जा करने से गंभीर परेशानी और सेफ्टी का खतरा पैदा होता है। कॉर्पोरेशन यह पक्का करने के लिए कमिटेड है कि पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल उसके तय मकसद के लिए किया जाए।'अधिकारियों और कानून लागू करने वाले लोगों के सपोर्ट से नगर निगम की टीमों ने डिब्रूगढ.में कई जगहों पर यह अभियान चलाया, जिसमें गैर-कानूनी स्टॉल हटाए गए और उन कब्जों को हटाया गया, जिनसे सडक़ें पतली हो गई थीं और पैदल चलने वालों की आवाजाही में रुकावट आ रही थी।अधिकारियों ने कहा कि यह ऑपरेशन शहरी मैनेजमेंट को बेहतर बनाने, ट्रैफिक जाम कम करने, पैदल चलने वालों की सुरक्षा बढाने और शहर में नागरिक अनुशासन बनाए रखने की एक बडी पहल का हिस्सा है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भी इसी तरह की ड्राइव जारी रहेंगी और जो लोग खाली की गई पब्लिक जगहों पर दोबारा कब्जा करने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।ग्राहम बाजार के स्टॉल को हटाने से, खासकर हाल ही में कथित तौर पर गांजा बरामद होने के बाद, लोगों का काफी ध्यान गया है और इसे प्रशासन की तरफ से गैर-कानूनी कब्जे.और पब्लिक जमी़न से चल रही गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ एक कडा संदेश माना जा रहा है।लोगों और आने-जाने वालों ने इस कदम का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि लगातार लागू करने से डिब्रूगढ.में एक साफ, सुरक्षित और ज्य़ादा व्यवस्थित शहरी माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के लिए 'खेत बचाओ अभियान' के तहत किसानों को जागरूक किया गया आईसीएआर केवीके हाइलाकांदी

प्रीतम दास हाइलाकांदी, ७ जून: मृदा स्वास्थ्य संरक्षण सतत कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से देशव्यापी रूप से संचालित 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत रविवार को हाइलाकांदी जिले के मणिपुर ग्राम पंचायत कार्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) हाइलाकांदी द्वारा जिला कृषि विभाग के सहयोग से किया गया।कार्यक्रम में पाँच गाँवों के कुल ३२ किसानों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग एवं केवीके के अधिकारियों ने उपस्थित रहकर किसानों को कृषि से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।कार्यक्रम के दौरान आईसीएआर केवीके हाइलाकांदी के मत्स्य विज्ञान विभाग के विषय विशेषज्ञ अंगोम बलेश्वर सिंह ने 'खेत बचाओ अभियान' के उद्देश्यों एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसाओं के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है। इसके विपरीत रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं अव्यवस्थित उपयोग से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड.जाता है और लाभकारी सूक्ष्मजीव भी प्रभावित होते हैं।उन्होंने किसानों को जैविक खाद वर्मी कम्पोस्ट हरी खाद तथा अजोला की खेती जैसी पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने विस्तार से बताया कि कृषि भूमि से बहकर जलाशयों में पहुँचने वाले अतिरिक्त उर्वरक एवं पोषक तत्व यूट्रोफिकेशन की समस्या उत्पन्न करते हैं जिससे जलीय पर्यावरण और मत्स्य संसाधनों को नुकसान पहुँचता है।वहीं कृषि विभाग के अधिकारियों ने नियमित मृदा परीक्षण तथा मिट्टी की आवश्यकता के अनुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी।कार्यक्रम में मणिपुर ग्राम पंचायत के उपाध्यक्ष संतोष धुबी भी उपस्थित रहे। किसानों में जागरूकता बढा़ने के उद्देश्य से विभिन्न जानकारीपूर्ण पर्चों का वितरण किया गया।अंत में आयोजित विचार विमर्श सत्र में किसानों ने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से जुडे.अपने अनुभव साझा किए तथा विशेषज्ञों से विभिन्न समस्याओं के समाधान और आवश्यक परामर्श प्राप्त किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर युवाओं और विद्यार्थियों की अनूठी पहल

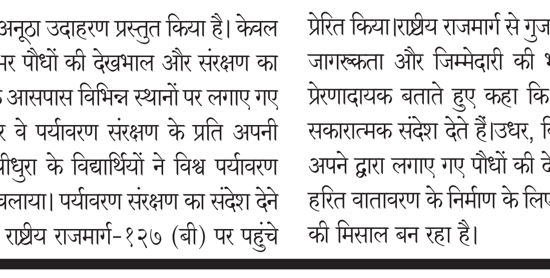

गुवाहाटी, ०७जून, (हि.स.)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को असम भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सरकारी विभागों से लेकर गैर-सरकारी संगठनों तक सभी पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।इसी क्रम में कुछ युवाओं ने प्रकृति प्रेम का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। केवल पौधरोपण तक सीमित न रहकर ये युवा वर्षभर पौधों की देखभाल और संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। डिगबोई के टिंगराई वन क्षेत्र के आसपास विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पौधों का नियमित रूप से पालन-पोषण कर वे पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शा रहे हैं।वहीं, तामारहाट हाथीधुरा के विद्यार्थियों ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक अभिनव अभियान चलाया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए छात्र-छात्राएं कक्षाओं से निकलकर राष्ट्रीय राजमार्ग-१२७ (बी) पर पहुंचे और सुबह से ही यात्रियों को पौधे वितरित किए।हाथीधुरा वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में विद्यालय के विद्यार्थियों ने हजारों पौधों का वितरण किया। विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित करने के बाद छात्र-छात्राएं हाथों में पौधे लेकर राजमार्ग पर पहुंचे और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले यात्रियों ने विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना की सराहना की। लोगों ने इस पहल को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश देते हैं।उधर, विश्व पर्यावरण दिवस की सुबह डिगबोई के युवा भी अपने द्वारा लगाए गए पौधों की देखभाल में जुटे दिखाई दिए। पौधों के संरक्षण और हरित वातावरण के निर्माण के लिए उनका यह सतत प्रयास क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बन रहा है।

बंगाईगांव रिफाइनरी की बडी पहल: बीटीआर के स्वास्थ्य क्षेत्र को दी ४.५९ करोड.की सौगात

बंगाईगांव (असम), ०७ जून (हि.स.)। बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ.बनाने की दिशा में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की बंगाईगांव रिफाइनरी ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) एवं कॉर्पोरेट पर्यावरण उत्तरदायित्व (सीईआर) के तहत लगभग ४.५९ करोड.रुपये मूल्य के चिकित्सा उपकरण एवं सार्वजनिक उपयोगिता संसाधनों का वितरण किया।बंगाईगांव रिफाइनरी के आरसीसी हॉल में आयोजित समारोह में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य हग्रामा महिलारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जब बीटीसी प्रशासन और असम सरकार ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं, तब बंगाईगांव रिफाइनरी का यह सहयोग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक एवं प्रमुख नयन कुमार बोरा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इससे आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाडी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।इस पहल के तहत कोकराझाड.स्थित सीआईटी को एक मरीज परिवहन एम्बुलेंस तथा चिरांग एवं कोकराझाड.के जिला क्षय रोग कार्यालयों के लिए दो बोलेरो यूटिलिटी वाहन प्रदान किए गए। साथ ही कोकराझाड, बंगाईगांव और केएमसीएच कोकराझाड.को हैंडहेल्ड एवं पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, एचपीएलसी सिस्टम तथा नवजात शिशु देखभाल के लिए चार बिलीरुबिनोमीटर उपलब्ध कराए गए।रोग निदान सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से २० फाइनकेयर प्लस थायराइड प्रोफाइल टेस्टिंग मशीनें तथा ३० हजार टेस्ट किट भी वितरित की गई। वहीं कोकराझाड.जिले की १,३७७ आशा कार्यकर्ताओं को ग्लूकोमीटर, १.३७ लाख से अधिक टेस्ट स्ट्रिप एवं लैंसेट उपलब्ध कराए गए। इसके अतिरिक्त २३२ चिकित्सा उपकरण सेट, जिनमें हीमोग्लोबिनोमीटर, ब्लड प्रेशर मशीन और स्टेथोस्कोप शामिल हैं, भी प्रदान किए गए।आंगनवाडी सेवाओं को सुदृढ.बनाने के लिए चिरांग के ९२७, कोकराझाड.के ४९८ तथा बंगाईगांव के ८२ सहित कुल १,५०० से अधिक केंद्रों में आंगनवाडी किट वितरित किए गए। वहीं, आरएनबी सिविल अस्पताल, कोकराझाड.को फर्नीचर सहायता देकर अस्पताल की आधारभूत सुविधाओं को भी मजबूत किया गया।कार्यक्रम को बीटीसी के स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी सदस्य देवहांग बसुमतारी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सिदली-चिरांग के विधायक पानी राम ब्रह्म, बीटीसी के परिषद सदस्य, सचिव, वरिष्ठ अधिकारी, बंगाईगांव रिफाइनरी का प्रबंधन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी पर्यवेक्षक तथा बडी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।करीब ४५८.९३ लाख रुपये मूल्य की इस पहल के माध्यम से बंगाईगांव रिफाइनरी ने बीटीआर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढाने, फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को सशक्त बनाने तथा संस्थागत क्षमता को मजबूत करने की अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर रेखांकित किया है।

धुबडी में २.१५ किलो नकली सोने के साथ तीन कथित तस्कर गिरफ्तार

धुबडी (असम), ०७ जून (हि.स.)। असम के धुबडी जिले में पुलिस ने बडी कार्रवाई करते हुए २.१५ किलो नकली सोने के साथ तीन कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गौरीपुर थाना क्षेत्र के खुदीमारी इलाके में गुप्त सूचना के आधार पर की गई।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लखीमपुर जिले के बंगालमारा निवासी महिर उद्दीन, खुदीमारी निवासी जहीरुल इस्लाम और फुलकटारी निवासी फैजल हक के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियान चलाकर तीनों को हिरासत में लिया और उनके कब्जे से करीब २.१५ किलो का नकली सोना बरामद किया।बरामद सामग्री को जांच के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। पुलिस का कहना है कि नकली सोने की तस्करी से जुडे.संभावित नेटवर्क और मामले के अन्य पहलुओं का पता लगाने के लिए आरोपितों से लगातार पूछताछ की जा रही है।

BTC के फर्जी लेटर पैड से ३० करोड.रुपये का फर्जी सप्लाई अलॉटमेंट: एक आरोपी गिरफ्तार

कोकराझार, ७ जून: कोकराझार पुलिस ने बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (BTC) के कार्यकारी सदस्य (EM) प्रकाश बसुमतारी के फजी लेटर पैड और जाली हस्ताक्षर का उपयोग कर ३० करोड.रुपये के सप्लाई अलॉटमेंट जारी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजीव ब्रह्म के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने फजी आधिकारिक लेटर पैड का इस्तेमाल किया और BTC के कार्यकारी सदस्य प्रकाश बसुमतारी के जाली हस्ताक्षर कर बडे.पैमाने पर वित्तीय धांधली की कोशिश की। इसके जरिए आरोपी ने 'वेलफेयर ऑफ प्लेन ट्राइब्स एंड बैकवर्ड क्लासेज' (WPT & BC) विभाग से २० करोड.रुपये और 'सोशल वेलफेयर' विभाग से १० करोड.रुपये के सप्लाई अलॉटमेंट जारी किए। कार्यकारी सदस्य प्रकाश बसुमतारी ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि ये फजी अलॉटमेंट १० और ११ मार्च को जारी किए गए थे। उन्होंने बताया कि वे आधिकारिक दस्तावेजों पर कभी भी अपने पूरे हस्ताक्षर (Full Signature) नहीं करते हैं। जब उन्होंने इन पत्रों पर अपने नाम का पूरा हस्ताक्षर देखा, तो उन्हें संदेह हुआ और मामले की जांच शुरू की गई, जिससे इस बडे.फजीवाडे.का भंडाफोड.हुआ।बसुमतारी ने पुष्टि की है कि मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि इस फजीवाडे.और अलॉटमेंट प्रक्रिया में और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं। इस घटना के बाद से सरकारी महकमों में हडक़ंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छोटी सर्कस वाली (कृतक कथा)

रेल गाडी अपनी रफ्तार से आगे बढ.रही थी। अंदर बैठे मुसाफिर एक आठ - दस साल की छोटी सी लडक़ी के सर्कस देख रहे थे। लडक़ी कभी उछल- कुद करती तो कभी छोटे से लोहे के रिंग मे से अपने पूरे शरीर को आर- पार कर तरह - तरह के करतब दिखा रही थी। करतब समाप्त करने के बाद लडक़ी एक - एक मुसाफिर के आगे हाथ फैलाई किसी ने दो - पांच रुपए दिए तो किसी ने कहा काम क्यों नहीं कर लेती हो? तो किसी ने मदद देने के बजाय दुत्कार दिया।अंत मे लडक़ी खिडक़ी के पास बैठे एक सज्जन के आगे हाथ फैलाई। सज्जन ने स्नेहपूर्वक पूछा बेटी तुम्हारी घर कहाँ है? और घर मे कौन- कौन है? लडक़ी ने जवाब दी - अगले स्टेशन के एक झोपड.पट्टी मे मेरा घर है और घर मे मै और मेरी माँ रहती है। सज्जन ने कहा- बेटी आज मै एक ऐसी चीज दूंगा जो आजतक किसी ने नही दिया है तुझे। लडक़ी मे उत्सुकता बढ.गई आखिर ऐसी क्या चीज है! संयोग से सज्जन को भी अगले स्टेशन पर उतरना था। सज्जन उस छोटी- सी लडक़ी के पीछे- पीछे उसके घर पहुंचे और उसकी माँ से अनुमति लेकर उस लडक़ी का नाम समीप के विधालय मे लिखवा दिए तथा एक कागज के टुकडा मे अपना मोबाइल नंबर लिखकर दिए और बोले किसी भी सूरत मे पढाई बीच मे मत छोडऩा किसी प्रकार के बाधा आए तो किसी के मोबाइल से मुझे फोन करना मै बाधा दूर करने का प्रयास करूँगा। बेटी यही वह चीज है जिसे मै तुझे देने को कहा था। समय बितता गया। वर्षों बाद लडक़ी बारहवीं की पढाई पूरी कर प्राईमरी स्कूल मे सरकारी शिक्षिका की नौकरी पा गई। अब हाथ मे मोबाइल हो जाने से तकनीक के माध्यम से नम्बर निकालकर एक दिन लडक़ी उस सज्जन को फोन की और बोली अंकल जी नमस्कार! आप मुझे पहचाने? मै वही लडक़ी जो वर्षों पहले रेलगाडी मे सर्कस करते मिली थी और आज आप ही के कृपा से मै पढ.कर सरकारी शिक्षिका की नौकरी पा गई हूँ। यह सुनते ही सज्जन के सीना खुशी से चौडा हो गया। सज्जन ने कहा- मै एक शिक्षक होने के नाते बहुत- सारे विधार्थी को डाक्टर, इंजीनियर बनाए परन्तु सही मायने मे किसी को शिक्षा दी वह तुम हो बेटी। मेरा आशीर्वाद सदैव तुम्हारे साथ है। तुम्हारी तरक्की सुनकर मेरा हृदय गदगद हो गया।

पवन कुमार शर्मा (शिक्षक)
दुमदुमा (असम) मो.नं. ९९५४३२७६७७

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्वेंस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्वेंस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दे, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नही मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नही होना चाहती, पूरी तरह से सच नही है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नही सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ी लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नही कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुई, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नही बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहे है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लडकी को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिढ़ भी सकती है।

महिला

मेहनत पहचान है मेरी

मध्यम वर्ग की कामकाजी महिलाएं अपना सपोर्ट सिस्टम बनाने के लिए कितना कुछ खर्च कर देती है। बच्चे के रखरखाव के लिए फुल टाइम मेड रखना बहुत महंगा है। बच्चे को क्रेच छोड़ना भी अच्छी खासी मशक्कत है। उसे लाना ले जाना तो भारी पड़ता ही है। इस सेवा का भुगतान करना भी कोई कम महंगा नहीं। उस पर ट्यूशन का भी खर्च है। इसके साथ ही कपड़ों की धुलाई, ट्रांसपोर्ट और अन्य ढेर सारे खर्चे ऐसे है जिन्हें महिलाएं घर में रहने पर बचा सकती है। फिर अपनी मेंटीनेंस भी तो है। बाहर निकलने के लिए अच्छे कपड़े, फुटवियर और कॉस्मेटिक्स भी चाहिए। जितनी तनख्वाह है कमोबेश बाहर आने की लागत में ही खर्च हो जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे अपनी भागदौड़ किसलिए बनाए हुए है? ऐसी कोई संतुष्टि तो है जो उन्हें इतना कुछ करने का हौसला देती है। दुनियाभर की मुश्किलों का सामना करने का साहस देती है।

बढ़ जाती है अहमियत

'एक सैटिसफैक्शन है कि सोसाइटी को कुछ दे रहे हैं। बारह महीने में अगर 120 बच्चों को भी अच्छी तरह से पढ़ा दूं तो लगता है कि कुछ प्राप्त किया है। बेहतर समाज के निर्माण में कोई भूमिका निभाई है।' कहती है अध्यापिका सरिता दास। वह ग्यारह साल तक हाउसवाइफ रहीं, सभी कुछ ठीक था, लेकिन अपनी पहचान बनाने और समाज को अपनी सेवाएं देने के उद्देश्य से उन्होंने आखिर जॉब करने की ठान ली। वह मानती हैं कि जब घर में थी तब भी उनका खर्चा अच्छा चलता था और बाहर निकलने पर अब उनके खर्चे बढ़ गए है, लेकिन अपनी जिंदगी में आए बदलावों से वह खुश है। वह कहती है, मैंने देर से नौकरी शुरू की। जब बच्चा चार साल का हो गया तब। जॉब करने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी अहमियत बढ़ गई है। समाज में हाउसवाइफ को इतनी इज्जत नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। दूसरे, अब मेरे पास गॉसिप्स के लिए टाइम ही नहीं है। घर में किचकिच, पति से आरग्यूमेंट और इनलॉज के साथ बहस करने का तो अब समय ही नहीं होता। काम करने का सैटिसफैक्शन भी है और घर में शांति का सुकून भी।

अपनी आइडेंटिटी के लिए

सरिता दास के बेटे ने फोटोग्राफी को अपना प्रोफेशन चुना है। बेटे

के कैमरे और अन्य सामानों पर उन्हें लाखों खर्च करना पड़ा। इस खर्च को वह मैनेज कर पाई, कहीं से लोन नहीं लेना पड़ा, इसकी खुशी है उन्हें। बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलवाना हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। आमतौर पर घर के लाइफस्टाइल में बदलाव लाने और बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाना भी महिलाओं की जॉब का सबब बनता है। इसके लिए उन्हें कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है, खर्चा भी बढ़ता है, लेकिन वे अपनी जॉब को रेगुलर रखती है। हां, जब उन्हें लगता है कि नन्हें बच्चे को उनकी ज्यादा जरूरत है तो वे ब्रेक लेने से भी परहेज नहीं करतीं। पुणे की एक कंपनी की रिक्रूटमेंट स्पेशलिस्ट ऋचा पटनायक कहती हैं, 'मुझे अपने छोटे बच्चे को क्रेच में छोड़ना पड़ता था। पास में कोई फैमिली मेंबर नहीं था उसकी देखभाल के लिए। बच्चे की मुश्किलें देखकर मुझे जॉब छोड़नी पड़ी, लेकिन घर पर मुझे अपनी जिंदगी अनार्थक लगने लगी। मुझे महसूस होने लगा कि ज्यादा अर्न करेंगे तभी तो बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे। उन्हें अच्छे स्तर की परवरिश दे सकेंगे। जब दिल्ली से मम्मी मेरे पास रहने के लिए आ गई, तब फिर से मैंने नौकरी जॉइन कर ली। नो डाउट मुश्किलें बहुत हैं, लेकिन अपनी आइडेंटिटी भी तो है, जो दिल को खुशी देती है।

आर्थिक आजादी है मुद्दा

आर्थिक आजादी की चाहत भी महिलाओं को घर से बाहर निकलकर नौकरी के विकल्प ढूंढने के लिए प्रेरित करती है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के मुताबिक शहरी महिलाओं की आमदनी में वृद्धि हुई है। यह तकरीबन दोगुनी हो गई है। रिसर्च के मुताबिक इस बदलाव का सीधा असर महिलाओं की हैसियत और घर के रखरखाव पर पड़ता दिख रहा है। महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती है। उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, 'जॉब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है। पहले हर छोटी से छोटी चीज के लिए पति से पैसे मांगने पड़ते थे। छोटी-छोटी बात के लिए भी पूछना पड़ता था। अब खुद भी खरीद सकती हूं।' कुछ ऐसा ही ऋचा भी कहती है, 'खर्चे बढ़े हैं तो माइनस-प्लस करेंगे, लेकिन जॉब करते हैं तो हाथ खुला रहता है। जब मन करे तब जो चाहो खरीद लो।'

कामयाबी जिद है मेरी

मैं कामयाब महिला हूं। कम उम्र में सफलता की ऊंचाइयों को छुआ है मैंने, लेकिन यह सफलता मुझे आसानी से नहीं मिली है। इसके लिए अतिरिक्त बोझ उठाया है, मानसिक शांति खोई है और सेहत के साथ समझौता तक किया है। आधुनिक जीवनशैली में सारी सुख सुविधाएं जुटाने की होड़ में सुपर वुमन बनी हूं। दिनभर का मैनेजमेंट मानसिक रूप से थका देता है मुझे, लेकिन हार नहीं मानी है मैंने, क्योंकि सफलता की हर शर्त स्वीकार है मुझे..

बदल रहा है वक्त और चल रही है परिवर्तन की आंधी। ऐसे में आज महिलाओं की दुनिया बदल गई है और बदल गए हैं उनके सपने। वो इन्हें जीतना चाहती हैं। इन्हें पूरा करने की हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं। वे जानती हैं कि उनकी मंजिल कहा पर है। काया चाहे कोमल है, लेकिन इरादे फौलाद से भी ज्यादा मजबूत हैं। लाख चुनौतिया सामने हैं, लेकिन जूझना इनकी फितरत में शामिल है। असफलता इन्हें संघर्ष करना सिखाती है। नाकामी हकीकत से रूबरू कराती है। ये थकती नहीं, रुकती नहीं, अपना वजूद कायम करके चलती रहती हैं, अपनी जीत के अभियान पर।

अर्जुन की तरह लक्ष्य देखती हूं

मैं तो अर्जुन की आख वाली थ्योरी जानती हूं। जब आपको आख दिख रही हो तो बाकी सब चीजें छोटी पड़ जाती हैं। मुश्किलें तो बहुत हैं, लेकिन थोड़ी सी मैडनेस और थोड़ा सा मेथड सक्सेस तक पंहुचा देता है। अगर आप कोई नया काम कर रहे हैं तो उसे दूसरों को समझाना और अपने कंसेप्ट को स्वीकार कराना टफ होता है। आपके सामने ढेरों सवाल हो सकते हैं जिनके जवाब ढूंढ़ने के लिए पर्सनल क्लियरिटी होना जरूरी है। आपको पता होना चाहिए कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है। फ्लैक्सीमॉम डॉट इन की को-फाउंडर साईरी चहल हर बाधा को पारकर अपना रास्ता बनाने में यकीन रखती हैं, लेकिन इसके लिए वे खुद पर यकीन करने की बात कहती हैं। मा बनने के बाद ब्रेक लेने वाली महिलाओं को प्रोफेशनल फ्रंट पर वापस लाने के प्रयास में जुटी हैं साईरी। अपनी वेबसाइट के जरिए वे वर्क फ्रॉम होम करवाने वाली कंपनियों और फ्लैक्सी ऑवर्स में काम कर सकने वाली महिलाओं को एक प्लेटफॉर्म पर लाती हैं और एंप्लॉयर को काबिल महिला कर्मचारी और कमबैक की इच्छा रखने वाली महिलाओं को उनकी पसंद और स्किल का काम दिलवाती हैं। अपनी सफलता की कहानी कहते हुए कहती हैं, यह बना बनाया खेल है। दोनों को एक दूसरे की जरूरत है, लेकिन सामने नहीं आ रहे। मैंने इन्हें सामने किया है। मेरी छह साल की बिटिया है, क्लाइंट्स हैं, बिजनस है और ढेर सारी कमिटमेंट्स हैं। मैं तो चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं आने वाली कठिनाइयों को चुनौती के रूप में स्वीकारें।

साईरी को अपने कंसेप्ट को मनवाने में दिक्कतें जरूर आईं, झगड़ा करना पड़ा, जुगाड़ करना पड़ा और कभी मदद भी लेनी पड़ी, लेकिन उन्होंने यह साबित कर दिया कि इंटरनेट वर्किंग पार्ट टाइम नहीं, बल्कि मेनस्ट्रीम काम है। वह कहती हैं, एक तरफ महिलाओं के अधिकार की बात हो रही है और दूसरी तरफ उनसे ताकत छीनी जा रही है। मैं मानती हूं कि महिलाओं का वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर होना जरूरी है। कॉरपोरेट की चुनौतिया मुश्किल हैं तो घर रहकर भी कॅरियर बनाया जा सकता है। बस जो चीज आपको चाहिए उस पर फोकस करें।

चुनौतियां का सामना

बिना काम के बैठना तो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। चाहे जो भी प्रॉब्लम सामने आए, काम तो करना ही है। समस्याएं होंगी तो उनका हल भी निकाला जाएगा। मेरे साथ तो टाइमिंग्स का इश्यू रहता है। छोटी बेबी है और मेरी जॉब भी डे एंड नाइट की है। कभी-कभी घर आते रात का एक-दो भी बज जाता है। टाइमिंग्स का इश्यू मेरे लिए चैलेंज है, लेकिन फैमिली सपोर्ट से इसे सुलझाते हुए अपना काम जारी रखे हुए हूं। अपनी बच्ची को घर पर छोड़कर जाना काफी सालता है कविता दीगारी को। सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं कविता। मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती हैं और काम के घंटे भी ज्यादा हैं। वह कहती हैं, इसे चुनौती समझकर काम कर रही हूं।

सुरक्षा एक यक्ष प्रश्न

महिलाओं की सफलता में उनकी सुरक्षा की सुनिश्चितता भी एक बड़ा रोड़ा बनती है। वे अपनी कामयाबी के लिए रात की ड्यूटी भी स्वीकारती हैं। दिन में अकेले सफर करती हैं। काम के सिलसिले में अनजाने शहर, यहा तक कि दूर देश में भी जाती हैं। उद्योग संगठन एसोचैम का एक सर्वे बताता है कि 92 फीसद कामकाजी महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं, खासतौर से रात में। बड़े शहरों में असुरक्षा के मामले में दिल्ली सबसे ऊपर है, जहा 92 फीसद महिलाओं के मन में डर पल रहा है, बेंगलुरू 85 फीसदी महिलाओं के साथ दुसरे नंबर पर है और कोलकाता तीसरे नंबर पर है, जहा की 82 फीसदी महिलाओं को हमेशा सुरक्षा का डर सताता रहता है। इस सर्वे के अनुसार सूचना तकनीक, होटल, नागरिक विमानन, स्वास्थ्य सेवा और कपड़ा उद्योग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। कंप्यूटर इंजीनियर कविता जसनानी कहती भी हैं, रात में हम कंपनी की कैब में आते हैं, लेकिन उसमें भी सुरक्षा का मुद्दा अहम् होता है। जब ज्यादा रात हो जाती है तो हसबैंड कहते हैं कि मै आ जाता हूं लेने के लिए और वे ही पिक करने आते हैं। उनके एडजस्टमेंट से ही काम करना आसान हुआ है।

संगीतज्ञ का सफर आसान नहीं

आज मैंने वॉयलिन वादक के रूप में अपनी पहचान बना ली है, लेकिन एक महिला का संगीतज्ञ होना, अपने मूल्यों को कायम रखते हुए एक मुकाम तक पंहुचना आसान नहीं होता। अच्छे गुरु की तलाश में घर छोड़ना होता है। बाजार में बदल चुके समाज को झेलना होता है। घटों तक संगीत साधना के लिए अपनी निजी जिंदगी और दूसरे शौक खत्म करने होते हैं। सम्मेलन या स्टूडियो रिकॉर्डिंग में दिन-रात का पता नहीं रहता। मेरे लिए भी यहा तक पंहुचना आसान नहीं रहा।

अनुप्रिया देवताले, वॉयलिन वादक

देश को बनाया सुपरपावर मिसाइल वुमन टेसी थॉमस ने अपनी कड़ी मेहनत से भारत को सुपरपावर बना दिया है। टेसी बचपन से ही सोचती थीं कि एक दिन वह ऐसा रॉकेट बनाएंगी, जो आसमान में बुलंदियों को छुएगा। जब डीआरडीओ में आईं तो सपनों को आकाश मिल गया। 5,000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाले अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत को चुनिंदा देशों के साथ खड़ा कर दिया। वह मानती हैं, हार आपको सुधारती है। नाकामयाबी आपको सच्चे दोस्तों की पहचान करना सिखाती है, क्योंकि जो लोग हार के बाद आपका हौसला बढ़ाने आते हैं, वही आपके सच्चे दोस्त होते हैं।

बिजनेस की हर मुश्किल झेली

जब मैं ऑफिस में घुसती हूं तो सबसे ज्यादा खुश होती हूं। काम को एंजॉय करती हूं मैं। 16 साल हो गए हैं मुझे जूइलरी के फील्ड में। मुश्किलें कम नहीं आईं, लेकिन कभी हताश नहीं हुई। डटकर मुकाबला किया हर परेशानी का और आज मेरे काम की एक अलग पहचान बन गई है। जब शादी होकर दिल्ली से मुंबई गई तो घर से ही अपना काम शुरू किया। कोई स्टाफ नहीं था मेरे पास। खुद सारा काम किया। कभी लोग ऑर्डर वाला सामान भी नहीं लेते थे और पैसा फंस जाता था। कभी भुगतान नहीं मिलता था, जबकि मैं पैसा लगा चुकी होती थी। व्यवसाय की हर परेशानी को झेला मैंने, लेकिन हार नहीं मानी। अब तो अपने कारोबार को और आगे बढ़ाने का मन बनाया है मैंने।

महिलाओं के लिए डेटिंग टिप्स

क्या डेटिंग को कामयाब बनाने की जिम्मेदारी केवल पुरुषों की होती है, महिलाओं की नहीं। बात जब डेटिंग की आती है, तो पुरुषों को तमाम तरह के नियम कायदों की एक लिस्ट पकड़ा दी जाती है- लड़की को कैसे प्रभावित करें.. उससे कैसे बात करें.. कैसे उनके दिल में अपने लिए जगह बनाएं.. और भी तमाम तरह के नियम कायदे। लेकिन, क्या महिलाओं के लिए कोई कानून नहीं होता। मैडम आप अगर इस फिराक में हैं, तो कि आप कुछ भी करें सब चल जाएगा, तो ऐसा नहीं है। डेट चाहे पहली हो या फिर बाद की, कुछ बातों का ध्यान तो आपको भी रखना पड़ेगा। वरना कहीं ऐसा न हो कि आपके प्यार की गाड़ी आगे चलने के बजाय पटरी से ही उतर जाए। तो जानते हैं? कि एक महिला होने के नाते डेट पर जाते समय आपको? किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

मेकअप हो सही

मेकअप किसी भी महिला के सबसे पसंदीदा कामों में से होता है। खासतौर पर अगर वो डेट पर जा रही हो, तो। लेकिन, इस बात का ध्यान रखें कि मेकअप अखरने वाला न हो। मेकअप आपकी खूबसूरती निखारने के काम आता है। कहीं ऐसा न हो कि अधिक मेकअप के चक्कर में आपकी पहचान ही कहीं छुप जाए। बहुत तीखी गंध वाला इत्र अथवा डियोड्रेंट आदि ना लगाएं। हल्की खुशबू माहौल को रूमानी बनाये रखती है।

सामान्य व्यवहार रखें

अपने ब्वॉयफ्रेंड को प्रभावित करने के लिए झूठ का सहारा न लें। झूठ किसी भी रिश्ते को घुन की तरह समाप्त कर सकता है। आज भले ही आपका झूठ चल जाए, लेकिन बाद में जब बात खुलेगी, तो आप परेशानी में पड़ सकती हैं। रिश्ते के सुखद भविष्य के लिए बुनियाद मजबूत होना जरूरी है। इसलिए नये रिश्ते की शुरुआत के लिए सच का सहारा लें। डेटिंग की शुरुआत में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है, लेकिन जैसे-जैसे आप एक दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे आपका रिश्ता मजबूत होता जाएगा।

उसकी भी बात सुनें-

डेट आपसी संवाद का एक मौका होता है। ऐसे में जरूरी है कि आप दोनों एक-दूसरे से अपनी कहें और साथ ही दूसरे की बात सुनें भी। ऐसा नहीं कि एक ही साथी बोलता रहे और दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं मिले। यदि आपका बॉयफ्रेंड आपसे सहजता के साथ कोई सवाल कर रहा है तो उसका जवाब भी उसी सहजता से दें। अपने साथी की बातों को बीच में काटना अच्छी आदत नहीं।

लड़कों को बदलाव पसंद नहीं

आमतौर पर लड़कों को बदलाव पसंद नहीं। खासतौर पर अगर वह उन्हें बदलने को लेकर हो। वे भले ही आपसे उम्मीद करें कि आपका व्यवहार उनके मुताबिक हो, लेकिन जब बात खुद पर आती है, तो शायद वे इतने उदार न हों। तो, अगर आप चाहती हैं कि वो आपसे नाराज न हो, तो बात-बात पर अपने ब्वॉयफ्रेंड को टोकने से बचें। डेट रूमानियत भरी होनी चाहिए, इसमें उनकी टीचर बनने की कोशिश न ही करें, तो बेहतर। अधिकांश लड़के चाहते हैं कि जैसे वे हैं, वैसे ही उन्हें स्वीकार किया जाए। अपने डेट की बात ना कटें और विचारों पर अपने फैसले न थोपें विचारों की विविधता का सम्मान करें।

आंख से आंख मिलाना जरूरी

बातचीत में आई-कॉन्टैक्ट बनाकर बात करें। ध्यान रखें आंख से आंख मिलाकर बात करने का अर्थ घूरना नहीं होता। आंखें आपके दिल की जुबां होती हैं। जब आप अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ इस तरह बात करेंगी तो इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ेगा ही साथ ही रिश्तों में मजबूती आयेगी।

पेमेंट करने के लिए पूछें-

लड़का है तो क्या वही पेमेंट करेगा। कई पुरुष आमतौर पर यही सोचते हैं कि लड़की के सामने खर्च करना उनकी जिम्मेदारी है। वे अक्सर इसे अपने अहम् से भी जोड़ लेते हैं। लेकिन, आप आज की नारी हैं। आप रिश्तों में बराबरी में विश्वास रखती हैं। तो, पेमेंट के लिए पूछने में कोई हर्ज नहीं।

ड्रिंक जरा संभलकर

अगर आप ड्रिंक करती हैं, तो उसकी मात्रा सीमित रखें। इतना न पी लें कि आप बहक जायें। इससे आपका प्रभाव तो गलत पड़ता है साथ ही किसी अनहोनी होने का खतरा भी होता है।

आत्मविश्वास है जरूरी

कभी हां, कभी ना वाली स्थिति लड़कों को परेशान करती है। बातचीत के दौरान बीच-बीच में यह ना दर्शायें कि आप ज्यादा अव्वल या काबिल हैं। डेट के उस पल का आनंद लें। यह नहीं कि भविष्य की बिना मतलब की चिंता में सारी डेट खराब कर बैठें। भविष्य की चिंता जरूरी है लेकिन उसके लिए बेचैनी ना जतायें बल्कि पूरी गंभीरता से सोचें और अपने पार्टनर को परखें।

बेवजह के सवालों से बचें

पहली मुलाकात में ही बहुत सारे सवाल न कर डालें। उनके पहली रिलेशनशिप को लेकर तो ऐसा करने से खासतौर पर बचें। उन्हीं मुद्दों पर बात करें जो आपके बीच सामान्य हों। अधिक व्यक्तिगत सवाल न ही पूछें। खुद पर ध्यान केन्द्रित करें और डेट का आनंद लेने के लिए अपने दिलोदिमाग को हल्का और तरोताजा रखें। कम सवालों में यह जानने की कोशिश करें कि उसका स्त्रियों के प्रति क्या दृष्टिकोण है। वह उनका कितना सम्मान करता है।

इस बार के लिए 'बस'-

रिश्तों में धीरे-धीरे संभलकर चलना ही अच्छा रहता है। एकदम से सारी बातें करने से बचें। हर डेट के लिए कुछ नया होना चाहिए। इससे रिश?तों में ताजगी और नयापन बना रहता है।

जब कहना हो बाय

अगर आपको मिलने के बाद उनकी कोई बात अच्छी लगे, तो जाने से पहले उसे जरूर बताएं। कई लोग दूसरों की अच्छी चीजों के बारे में कुछ नहीं कहते। लेकिन, आप अपने रिश?ते को सहज रखना चाहती हैं, तो उसकी तारीफ जरूर करें। अगर आपने अपने डेट के साथ अच्छा समय बिताया है, तो इस बात को शब्दों में जरूर कहें।

ये कुछ आम लेकिन जरूरी टिप्स हैं जो आपकी डेट में सहायक साबित हो सकते हैं। आपको आपकी डेट के लिए बहुत शुभकामनाएं

भारत में दिल के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा गलत

कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है : डॉ. उपेंद्र कौल

नई दिल्ली। भारत में हृदय रोग को लेकर कराए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि देश में पश्चिमी देशों के मुकाबले ''एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम' (एसीएस) के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा मिथक है और अधिक आयु वाले लोगों को ही दिल की बीमारी का खतरा अधिक देखा गया है।फोर्टिस हेल्थकेयर ने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कौल के नेतृत्व में यह अध्ययन किया। इसके मुख्य निष्कर्षों में सामने आया है कि हृदय रोगों के तीन प्रमुख कारणों में हाई लिपिड स्तर 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी और धूम्रपान 45 फीसदी हैं। एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) से युवा आबादी के प्रभावित होने को लेकर कोई खास बात सामने नहीं आई है। फोर्टिस द्वारा जनवरी 2011 से दिसम्बर 2015 के बीच कुल 12,152 रोगियों पर अध्ययन किया गया। इसमें 18 से 100 साल तक की उम्र के मरीज शामिल रहे। इसमें 5850 रोगी ऐसे थे जिन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इनमें हृदय रोग के जोखिम के कारकों में क्र मशः अत्यधिक कोलेस्ट्रोल 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी, धूम्रपान 45 फीसदी, डायबिटीज 36.9 फीसद और मोटापा 33.6 फीसद बताए गए हैं। अध्ययन में शामिल मरीजों में 30 साल से कम उम्र के मरीजों की संख्या केवल 33 यानी 0.3 फीसद थी। 30 से 40 साल के बीच के 304 (2.8 फीसद), 40 से 50 साल के 1298 (10.7 फीसद), 50 से 60 साल के 3445 (28.3 फीसद) और 60 साल से अधिक उम्र के सर्वाधिक 7075 (58.2 फीसदी) मरीज थे। अध्ययन के अनुसार यह दिखाता है कि कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है। डॉ. उपेंद्र कौल के अनुसार, ''आमतौर पर माना जाता है कि एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम के साथ आए भारतीय रोगियों की उम्र पश्चिमी देशों में इस रोग के मरीजों से अपेक्षाकृत कम होती है। यह मिथक है जिसे हमारे अध्ययन ने साबित किया है। हमारी जनसंख्या में आयु वर्ग और जोखिम का स्तर दोनों वैसे ही हैं जैसा पश्चिमी देशों में है। इस अध्ययन में 30 फीसद रोगी दक्षिण एशियाई देशों के भी थे।'

लीवर का हारमोन करता है शराब व मीठा खाने की इच्छा को नियंत्रित

न्यूयार्क। अगर आप अपनी शराब की लत और ज्यादा मीठा खाने की आदत से परेशान हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी है। एक शोध में लीवर के ऐसे हारमोन का पता चला है, जो सीधे मस्तिष्क के साथ संपर्क करके व्यक्ति में शराब और मीठा खाने की भूख कम करता है टेक्सास विविद्यालय के दक्षिण पश्चिम चिकित्सा केंद्र के शोधकर्ताओं ने लीवर में एक हारमोन का पता लगाया है जिसमें लोगों में शराब और मीठे के लिए भूख कम करने की क्षमता है। इस हारमोन का नाम ''फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर 21'(एफजीएफ 21) है। यह दिमाग के रिवार्ड सिस्टम के जरिए काम करता है, जो खाने-पीने की हमारी इच्छा को कम करता है। यह हारमोन अत्यधिक ठंड, भोजन में अचानक बदलाव और कार्बोहाइड्रेट का सेवन करने से शरीर में पैदा होता है।'सेल मेटाबॉलिज्म जर्नल' में प्रकाशित इस शोध के अनुसार एफजीएफ 21 हारमोन शराब की लत से छुटकारा पाने और टाइप टू मधुमेह के इलाज में मददगार साबित हो सकता है। शोध से जुड़े डॉ. स्टीवन क्लीवर ने कहा ''हमारे शोध से इस बात का पता चलता है कि एफजीएफ 21 हारमोन का प्राथमिकता के आधार पर पोषक तत्वों को ग्रहण करने की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। साथ ही इस हारमोन का इस्तेमाल शराब की लत छुडाने में भी हो सकता है।' शोधकर्ताओं ने चूहों पर इसका प्रयोग किया। उन्होंने पाया कि जिन चूहों में इस हारमोन की ज्यादा मात्रा थी, उन्होंने मीठा पानी और शराब मिश्रित पानी पीने की कम इच्छा जताई। साथ ही बंदरों ने भी मीठा खाने की कम इच्छा दिखाई। शोध में एफजीएफ 21 और मस्तिष्क तंत्र के बीच गहरे संबंध का पता चला। शराब और मीठा खाने की इच्छा कम करने के साथ ही इस हारमोन के महत्वपूर्ण कायरे के बारे में भी पता चला। इस हारमोन में चयापचय प्रक्रिया, महिलाओं की प्रजनन क्षमता और शरीर की नियमित प्रक्रिया को नियंत्रित करने की क्षमता भी है।

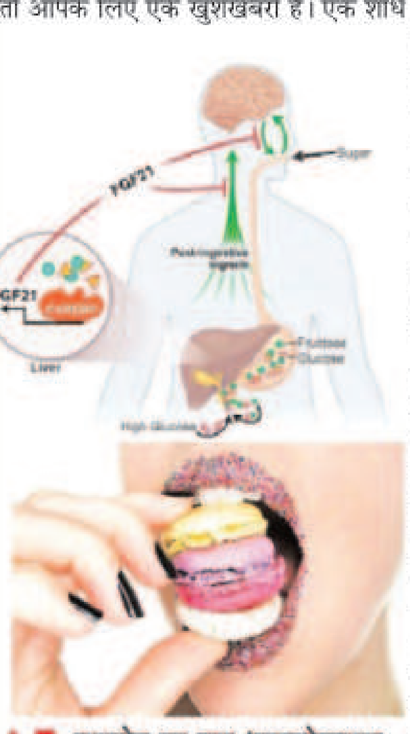

- हारमोन का नाम 'फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर 21'(एफजीएफ 21) है
- यह हारमोन अत्यधिक ठंड, भोजन में अचानक बदलाव व कार्बोहाइड्रेट का सेवन करने से पैदा होता है
- एफजीएफ 21 हारमोन टाइप टू मधुमेह के इलाज में मददगार साबित हो सकता है

बच्चों में डायरिया के मामले काफी घटाकर पेश किए गए

नई दिल्ली। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि भारत समेत सात एशियाई एवं अफ्रीकी देशों में बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले बहुत कम करके पेश किए गए हैं तथा पिछले आकलन की तुलना में उनकी संख्या दोगुनी हो सकती है। इन देशों में हर घंटे पांच साल की उम्र तक के 13 बच्चे डायरिया के चलते मर जाते हैं।''लांसेट' में प्रकाशित नए शोध में कहा गया है, ''बैक्टीरिया, परजीवी, विषाणु एवं अन्य संक्र मणों की वजह से बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले काफी घटाकर पेश किए गए और वह पिछले आकलन की तुलना में करीब दोगुना हो सकते हैं।''बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, गांबिया, केन्या, माली और मोजाम्बिक के 10,000 से अधिक नमूनों के विश्लेषण से पता चलता है कि शिगेला और रोटावायरस पांच साल तक के बच्चों में सबसे आम संक्रमण है, उसके बाद एडिनोवायरस, आंत में विष पैदा करने वाले ई.कोलाई, क्रिप्टोसपोरडियम और कैंपीलोबैक्टर का नंबर आता है।' डायरिया के संक्रामक कारकों के पिछले अनुमान विभिन्न अन्वेषण पद्धतियों पर आधारित थे जबकि इस अध्ययन में पहली बार 32 रोगाणुओं का परीक्षण करने के लिए मालीक्यूलर डायगोनास्टिक पद्धति का इस्तेमाल किया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिवर्तन की संभावना है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

अध्यापक- राकेश समुद्र के बीच एक नीबू का पेड लगा है, उस पर कुछ नींबू लगे है, उन्हें तुम कैसे तोडकर लाओगे ?

राकेश- चिडिया बनकर।

अध्यापक- बेवकूफकभी आदमी भी चिडिया बन सकता है।

राकेश- कहीं समुद्र में भी नीबू का पेड लगता है।

▯ ▯ ▯

मिल मालिक, ''मैं तुम्हारे काम से खुश हूं। अगले महीने से तुमको मैनेकर बना रहा हूं, तुम्हारी तनख्वाह भी दोगुनी हो जाएगी।''

कर्मचारी (गिड़गड़ा कर), ''नहीं जनाब, मुझ पर यह जुल्म न करें, मुझे खजांची ही बना रहने दें।''

▯ ▯ ▯

पुलिस ने एक चोर को पकडा, जब पुलिस के पास हथकडी नही थी।

चोर ने कहा- मै हथकडी लेकर आता हूं, आप यहीं रूकिए।

पुलिस वाला- मुझे बेवकूफ बनाता है, भागने की सोचता है, तू यहीं रूक मैं हथकडी लेकर आता हूं।

▯ ▯ ▯

पिंटू एक लडकी को छेड रहा था।

लडकी- क्या कर रहे हो ?

पिंटू- महाराजा कॉलेज से बी.कॉम।

काकुरो पहेली - 4077

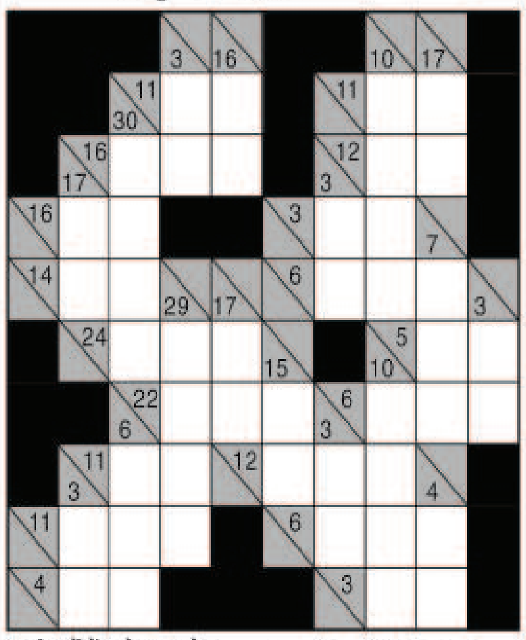

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

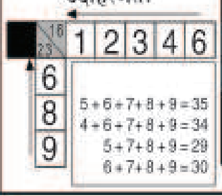

काकुरो - 4076 का हल

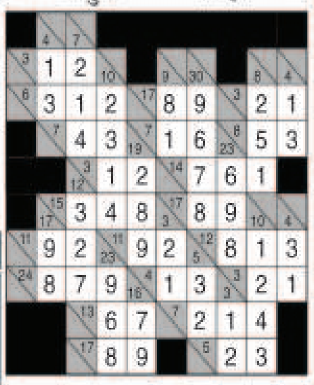

फिल्म वर्ग पहेली-4077

बायें से दायें:-

१. शाहरुख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरुण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरुख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शाँवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4076

सूडोकु -4077

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4076 हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 4077

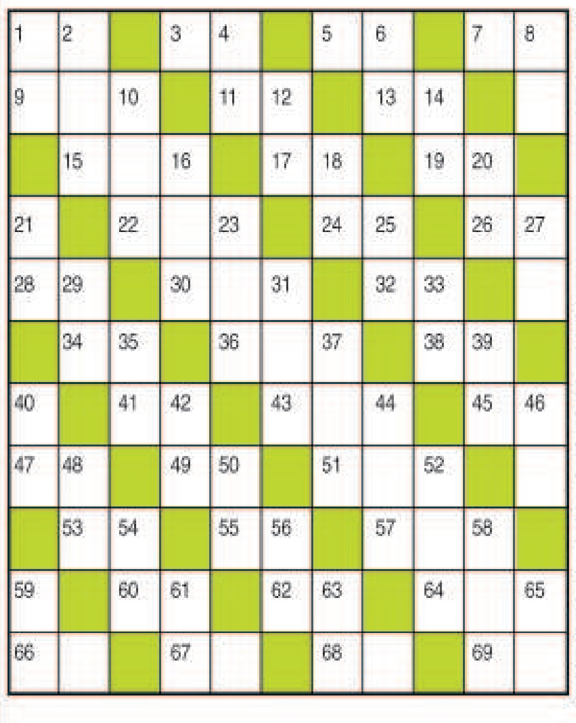

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -4076 का हल

खाद्य तेल बाजार में बड़ा बदलाव, अब मनमाने पैकेट साइज पर लगेगी रोक, सरकार ने तय किए नए मानक

नई दिल्ली (एजें) ७ जून :. देशभर के उपभोक्ताओं को राहत देने और खाद्य तेल बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है. अब खाद्य तेल कंपनियां अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी आकार के पैकेट या बोतल बाजार में नहीं बेच सकेंगी. उपभोक्ता मामलों के विभाग ने खाने के तेल और ब्लेंडेड खाद्य तेलों की पैकेजिंग के लिए निर्धारित मानक आकार लागू करने का निर्णय लिया है. इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भ्रम से बचाना और विभिन्न ब्रांडों के उत्पादों की कीमत और मात्रा की तुलना को आसान बनाना है.सरकार का यह निर्णय खाद्य तेल उद्योग के प्रमुख संगठनों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया है. बताया गया है कि इन संगठनों का प्रतिनिधित्व देश के लगभग ९० प्रतिशत खाद्य तेल उद्योग पर है. लंबे समय से यह शिकायत सामने आ रही थी कि विभिन्न कंपनियां अलग-अलग और असामान्य पैकेट साइज बाजार में उतार रही हैं, जिससे ग्राहकों के लिए वास्तविक कीमत और मात्रा का आकलन करना कठिन हो जाता है.नई व्यवस्था के तहत अब खाद्य तेल केवल निर्धारित मानक पैकेजिंग में ही बेचे जा सकेंगे. सरकार ने छोटे, मध्यम और बडे.पैकेटों के लिए स्पष्ट श्रेणियां तय कर दी हैं. छोटे पैकेटों में २०० मिलीलीटर या २०० ग्राम तथा ५०० मिलीलीटर या ५०० ग्राम के पैक शामिल होंगे. मध्यम श्रेणी में १ लीटर, २ लीटर, ३ लीटर, ४ लीटर और ५ लीटर की पैकेजिंग को मान्यता दी गई है. वहीं बडे.उपभोक्ताओं और व्यावसायिक उपयोग के लिए १५ लीटर और २० लीटर के टीन या बडे.कंटेनर निर्धारित किए गए हैं.यह नियम पाम ऑयल, सोयाबीन तेल, सूरजमुखी तेल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, तिल तेल, राइस ब्रान ऑयल, कॉटनसीड ऑयल और मक्का तेल सहित अधिकांश प्रमुख खाद्य तेलों पर लागू होगा. सरकार का मानना है कि एक समान पैकेजिंग व्यवस्था से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और उपभोक्ताओं को खरीदारी के दौरान बेहतर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी.हालांकि सरकार ने गरीब और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कुछ छूट भी प्रदान की है. २०० मिलीलीटर या २०० ग्राम से छोटे पैकेटों को इस नियम के दायरे से बाहर रखा गया है. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कम आय वाले उपभोक्ताओं को छोटे और सस्ते पैकेट पहले की तरह उपलब्ध होते रहें. इसके अलावा कुछ ऐसे खाद्य तेल जिन्हें बाजार में सीमित मात्रा में उपयोग किया जाता है, उन्हें भी इस नियम से छूट दी गई है.नए नियम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अब कंपनियों को केवल लीटर या मिलीलीटर में मात्रा दर्शाना पर्याप्त नहीं होगा. यदि किसी पैकेट पर तेल की मात्रा वॉल्यूम यानी लीटर या मिलीलीटर में लिखी गई है, तो उसके साथ उस तेल का वास्तविक वजन ग्राम या किलोग्राम में भी स्पष्ट रूप से अंकित करना अनिवार्य होगा.विशेषज्ञों के अनुसार तापमान में बदलाव के कारण तेल की मात्रा और वजन में अंतर आ सकता है, जिससे कई बार उपभोक्ताओं में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है. नए नियम से ग्राहकों को यह स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि वे वास्तव में कितनी मात्रा में तेल खरीद रहे हैं.सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह नियम केवल देश में उत्पादित खाद्य तेलों पर ही नहीं, बल्कि विदेशों से आयात किए जाने वाले तेलों पर भी समान रूप से लागू होगा. इससे घरेलू और आयातित दोनों प्रकार के उत्पादों के लिए एक समान मानक व्यवस्था सुनिश्चित होगी.नई व्यवस्था को लागू करने के लिए खाद्य तेल निर्माताओं, पैकेजिंग कंपनियों और आयातकों को तीन महीने का संक्रमण काल दिया गया है. इस अवधि के दौरान कंपनियां अपनी पैकेजिंग प्रणाली को नए मानकों के अनुरूप ढाल सकेंगी. हालांकि जो कंपनियां तुरंत नए नियमों को अपनाना चाहती हैं, वे बिना किसी प्रतीक्षा के इन्हें लागू कर सकती हैं.उपभोक्ता मामलों के विभाग का कहना है कि यह कदम बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, पारदर्शिता और उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करेगा.

पूसीरे ने टिकट जांच राजस्व में नया कीर्तिमान स्थापित किया

गुवाहाटी, ०७ जून (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अधीन न्यू जलपाईगुडी की टिकट जांच अनुभाग ने मई, २०२६ के दौरान २.०८ करोड. रुपये से अधिक का अभूतपूर्व राजस्व अर्जित कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह पूसीरे के किसी भी अनुभाग द्वारा प्राप्त अब तक का सर्वाधिक मासिक टिकट जांच राजस्व है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि टिकट जांच कर्मचारियों के असाधारण समर्पण, प्रोफेशनलिज्म तथा टिकट नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने, बेटिकट यात्रा को रोकने और रेल राजस्व की सुरक्षा हेतु किए गए उनके निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। यह सफलता एनएफआर द्वारा अपनाई गई परिचालन उत्कृष्टता तथा प्रभावी राजस्व संरक्षण पहलों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि यह रिकॉर्ड प्रदर्शन न्यू जलपाईगुडी के टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा निरंतर चलाए गए टिकट जांच अभियानों, सावधानीपूर्वक प्रवर्तन गतिविधियों तथा समन्वित टीमवर्क के माध्यम से हासिल किया गया है। माह के दौरान इस अनुभाग ने प्रतिदिन औसतन करीब ६.५४ लाख से अधिक की प्रभावशाली आय अर्जित की, जबकि ०९ मई को एक ही दिन में लगभग ९.६५ लाख से अधिक का सर्वाधिक राजस्व दर्ज किया गया। न्यू जलपाईगुडी/टीटीई लॉबी में कार्यरत समर्पित कर्मचारियों के सहयोग से प्राप्त यह उल्लेखनीय उपलब्धि पूरे टीम की अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, असाधारण कार्यकुशलता तथा ईमानदार प्रयासों को दर्शाती है।इस सफलता को टिकट जांच कर्मचारियों के कई उत्कृष्ट कार्यों ने और भी मजबूत बनाया है, जिन्होंने पूसीरे में टिकट जांच आय का यह नया कीर्तिमान स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए न्यू जलपाईगुडी जांच टीम को बधाई दी। यह उपलब्धि एनएफआर की राजस्व संरक्षण पहलों की प्रभावशीलता तथा पारदर्शिता, जवाबदेही और उचित टिकटिंग जागरूकता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।न्यू जलपाईगुडी टिकट जांच अनुभाग की यह उपलब्धि पूरे जोन के सभी रेल अनुभागों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उन्हें सेवा और कार्य निष्पादन में और भी उच्च स्तर की उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

भारत की पाकिस्तान को दो टूक, जब तक आतंकवाद बंद नहीं होता तब तक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी

नई दिल्ली (एजें) ७ जून :. भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को लेकर अपना रुख दोहराते हुए स्पष्ट किया कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह और विश्वसनीय तरीके से बंद नहीं करता, तब तक यह संधि स्थगित रहेगी. विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान द्वारा चिनाब-ब्यास लिंक टनल परियोजना और सलाल बांध जलाशय से गाद निकालने की भारत की योजनाओं पर आपत्ति जताए जाने के बाद आई है.पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारत पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है. नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एमईए के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, हमने सिंधु जल संधि को स्थगित कर रखा है और यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त नहीं कर देता. जम्मू-कश्मीर में स्विट्जरलैंड के राजदूत की यात्रा पर पाकिस्तान की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और स्विस राजदूत या किसी भी अन्य देश के राजदूत को वहां जाने की पूरी स्वतंत्रता है.भारत ने पिछले महीने भी सिंधु जल संधि, १९६० के तहत कथित रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय (कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन) के फैसले को खारिज करते हुए उसे शून्य और अवैध बताया था. एमईए ने कहा था कि १५ मई २०२६ को अवैध रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय ने सिंधु जल संधि की व्याख्या और अधिकतम जल भंडारण क्षमता से जुडे.मामले में एक फैसला जारी किया था, जिसे भारत पूरी तरह अस्वीकार करता है. विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत ने कभी भी इस तथाकथित न्यायाधिकरण के गठन को मान्यता नहीं दी है. इसलिए इसकी कोई भी कार्यवाही, फैसला या आदेश भारत की नजर में कानूनी रूप से मान्य नहीं है. गौरतलब है कि सिंधु जल संधि पर भारत और पाकिस्तान के बीच १९ सितंबर १९६० को हस्ताक्षर हुए थे.यह संधि सिंधु नदी प्रणाली की नदियों के जल उपयोग से संबंधित है. पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने संप्रभु अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए संधि को स्थगित करने का निर्णय लिया था. भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना विश्वसनीय और स्थायी रूप से बंद नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी. विदेश मंत्रालय ने पहले भी कहा था कि संधि के स्थगन की अवधि में भारत उस संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करने के लिए बाध्य नहीं है. साथ ही किसी भी मध्यस्थता न्यायालय, विशेषकर भारत द्वारा अवैध माना जाने वाला न्यायाधिकरण, को भारत के संप्रभु निर्णयों की वैधता की समीक्षा करने का अधिकार नहीं है. भारत ने पूर्व में जम्मू-कश्मीर में स्थित किशनगंगा और रतले जलविद्युत परियोजनाओं से जुडे.मामलों में भी तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय द्वारा दिए गए फैसलों को खारिज करते हुए कहा था कि यह पूरा तंत्र ही सिंधु जल संधि का उल्लंघन है. भारत का आरोप है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों का दुरुपयोग कर जवाबदेही से बचने की कोशिश करता रहा है और यह तथाकथित मध्यस्थता प्रक्रिया भी उसी रणनीति का हिस्सा है.

पाथारकांडी मॉब लिंचिंग के विरोध में शिलचर में जनप्रदर्शन, समाजसेवी सत्यजीत गुप्ता की तबीयत बिगडी

प्रे.सं.शिलचर, ७ जून। पाथारकांडी में दो दिहाडी मजदूर भाइयों को कथित रूप से गो-चोरी के संदेह में भीड. द्वारा बेरहमी से पीटे जाने की घटना के विरोध में शनिवार शाम शिलचर के गोलदिघी मॉल के सामने एक विशाल जनप्रदर्शन आयोजित किया गया। विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं लोकतांत्रिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में बडी संख्या में लोगों ने भाग लिया।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अपने खोए हुए मवेशियों की तलाश में निकले दो गरीब मजदूर भाइयों को गो-चोर समझकर भीड. ने निर्ममता से पीटा। दोनों घायल वर्तमान में शिलचर

मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उपचाराधीन हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है, लेकिन घटना के मुख्य आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने सभी दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं कडी सजा की मांग की।सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि समाज में बढती असहिष्णुता और नफरत का माहौल मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को बढावा दे रहा है। ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सामाजिक सौहार्द, मानवीय मूल्यों और जनजागरूकता को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।इस विरोध कार्यक्रम में फोरम फॉर सोशल हार्मनी, ह्यूमन साइंस फोरम, शिलचर कल्चरल यूनिट, कोरस शिलचर, नारी मुक्ति संस्था, नांदनिक शिलचर, नाट्यांगन, नबारुण, भावीकाल, गणसुर, पूबाली, कयानट, नया ग्रुप तथा विनिर्माण सहित अनेक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बीच, प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी सत्यजीत गुप्ता की अचानक तबीयत बिगड. गई। उन्हें तत्काल शिलचर के ग्रीन हिल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उनकी स्थिति स्थिर बताई गई और वे स्वस्थ हैं।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि पाथारकांडी की घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आने वाले दिनों में और व्यापक जनआंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे।

पाथरकांदी में मॉब लिंचिंग कांड को लेकर जनाक्रोश, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग

पाथारकांडी, ६ जून: पाथारकांडी में हुई मॉब लिंचिंग की दर्दनाक घटना को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। शनिवार को सैकडों लोगों ने एकजुट होकर दोषियों को कडी से कडी सजा देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया तथा प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।प्रदर्शनकारियों ने न्याय की मांग को लेकर एक विरोध रैली निकाली। हालांकि, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने रैली को बीच रास्ते में ही रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने महकमा पुलिस अधिकारी (सीडीएसपी) अनिर्बाण शर्मा तथा पाथारकांडी थाना प्रभारी मानसज्योति बडो को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की।प्रशासन की ओर से बताया गया कि इस मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। शेष आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों की गहन जांच कर घटना में शामिल सभी लोगों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून को अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने दोषियों को उदाहरणात्मक दंड देने की मांग करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई ही भविष्य में इस प्रकार की हिंसक घटनाओं को रोक सकती है।क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में गहरा रोष देखा जा रहा है और न्याय की मांग लगातार तेज होती जा रही है।

हिमाचल में आया भूकंप का बडा झटका, ३ बार हिली धरती, अस्पताल और कई घर क्षतिग्रस्त

शिमला.(एजें) ७ जून : हिमाचल प्रदेश में बीती रात कुदरत का खौफनाक मंजर देखने को मिला, जहां एक के बाद एक आए भूकंप के तीन जोरदार झटकों ने पूरे सूबे को हिलाकर रख दिया. रातभर धरती हिलने के कारण लोग बेहद दहशत में रहे और खौफ के मारे पूरी रात सो नहीं पाए.पहला और सबसे तेज झटका रात १०:०४ बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर ५.० मापी गई. इसके बाद भी धरती शांत नहीं हुई और रात ११:०४ बजे २.८ तीव्रता तथा ठीक ११:५२ बजे ३.० तीव्रता के दो और झटके महसूस किए गए. राहत की बात यह रही कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन इस आपदा के कारण कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है. मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, इन तीनों ही भूकंपों का केंद्र हिमाचल प्रदेश का चंबा जिला रहा. पहला झटका इतना तीव्र और खतरनाक था कि लोग घबराकर अपने घरों और बहुमंजिला इमारतों से बाहर खुली सडकों की तरफ दौड.पडे. भूकंप का असर सिर्फ हिमाचल तक ही सीमित नहीं था, बल्कि इसके तेज कंपन पडोसी राज्य पंजाब में भी साफ तौर पर महसूस किए गए. विशेषज्ञों का कहना है कि यह भूकंप जमीन की बेहद कम गहराई में आया था, यही वजह है कि ५.० तीव्रता के इस झटके का प्रभाव प्रदेश के एक बहुत बडे.हिस्से में इतना जोरदार और विनाशकारी रहा.इस भूकंप के कारण जिला कांगडा के धर्मशाला में कई घरों की दीवारों में गहरी दरारें आ गई हैं. वहीं, पालमपुर के सिविल अस्पताल से एक बेहद डराने वाली तस्वीर सामने आई, जहां रात को आए पहले झटके के कारण अस्पताल के पुराने भवन की दूसरी मंजिल की छत भरभराकर गिर गई. गनीमत यह रही कि इस हादसे में सभी मरीज पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं आई, लेकिन इस घटना के बाद वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों में चीख-पुकार मच गई. बताया जा रहा है कि प्रशासन ने इस भवन को काफी समय पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया था, इसके बावजूद वहां मरीजों का इलाज चल रहा था जो एक बडे.हादसे को दावत दे रहा था.

बीएसएनएल लगाएगा १५४ नए 4G टावर, कर्बी आंगलोंग के ग्रामीण क्षेत्रों में होगी डिजिटल क्रांति

पंकज चौहान, खेरनी, जून ७ : डिजिटल डिवाइड को पाटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत सरकार ने कबी आंगलोंग और पश्चिम कबी आंगलोंग जिलों में डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) ४ऋ सैचुरेशन स्कीम के तहत १५४ नए ४ऋमोबाइल टावर साइट्स को मंजूरी दे दी है। बीएसएनएल द्वारा लागू किए जाने वाले इन टावरों से दूरदराज और कम सेवा वाले गांवों में विश्वसनीय ४ऋमोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराया जाएगा, जहां पहले वाणिज्यिक

आधार पर नेटवर्क स्थापित करना संभव नहीं था।कबी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (काक) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) डॉ. तुलीराम रोंगहांग ने इस विकास को क्षेत्र के आंतरिक इलाकों में रहने वाले लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने की दिशा में एक बडी उपलब्धि बताया।डॉ. रोंगहांग ने कहा, ङ्कपिछले कई वर्षों से ग्रामीण और दूरदराज के गांवों के अपने बार-बार दौरे के दौरान, विश्वसनीय मोबाइल कनेक्टिविटी की कमी निवासियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रमुख चिंताओं में से एक रही है।ङ्क उन्होंने बताया कि खराब नेटवर्क कवरेज के कारण छात्रों, किसानों, मरीजों, उद्यमियों और आम जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, बैंकिंग और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड.रहा था।नए स्वीकृत टावर भारत सरकार की महत्वाकांक्षी डिजिटल भारत निधि ४ऋ सैचुरेशन स्कीम का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य पूरे देश में सार्वभौमिक ४ऋ कवरेज सुनिश्चित करना है। यह पहल दूरसंचार विभाग द्वारा लागू की जा रही है। डॉ. रोंगहांग ने राष्ट्रव्यापी डिजिटल समावेशन कार्यक्रम को आगे बढाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया का इस परियोजना को सुविधाजनक बनाने के लिए और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा शर्मा का पूरे राज्य में टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। स्वीकृत साइट्स कबी आंगलोंग के कई हिस्सों में फैले बडे.संख्या में गांवों और बस्तियों को कवर करेंगी, जिनमें हवाईपुर, अमरेंग, रोंगखांग, होवराघाट, बोकाजान, लुम्बाजोंग, लांगसोमेपी, देओपानी, डोकमोका, लांगहिन, लांगटुक, रोंगमोंगवे, सोचेंगे, सरबुरा, सिकारी, सिलोनिजान तथा अन्य कई आंतरिक क्षेत्र शामिल हैं। परियोजना की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए डॉ. रोंगहांग ने कहा, ङ्कमोबाइल कनेक्टिविटी आधुनिक जीवन का एक आवश्यक हिस्सा बन गई है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आपातकालीन प्रतिक्रिया, शासन, व्यवसाय और समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।ङ्क उन्होंने कहा कि नए टावर डिजिटल खाई को काफी हद तक कम करेंगे और करबी आंगलोंग के सबसे दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए नई संभावनाएं खोलेंगे। डॉ. रोंगहांग ने आश्वासन दिया कि वे परियोजना की प्रगति पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखेंगे और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके स्वीकृत टावरों को शीघ्र से शीघ्र स्थापित और चालू कराने के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने इस पहल में शामिल भारत सरकार, दूरसंचार विभाग, बीएसएनएल, असम सरकार और सभी संबंधित एजेंसियों का आभार व्यक्त किया।इन १५४ टावर स्थानों को स्वीकृति मिलने से संचार इंफ्रास्ट्रक्चर में दूरगामी सुधार होने की उम्मीद है, जो कबी आंगलोंग और पश्चिम कबी आंगलोंग के सबसे अलग-थलग गांवों को भारत की व्यापक डिजिटल विकास कहानी से जोडेगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512